डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/ 110/2024-26

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

दैनिक रॉयल पत्रिका

वर्ष :13 | अंक : 176 | पेज: 8 | जयपुर, गुरुवार, 05 जून 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

कच्छ में बॉर्डर के पास बनेगा 'ऑपरेशन सिंदूर' मेमोरियल पार्क

बहुत बड़ा है प्लान, गुजरात सरकार ने बताया 'एकता का प्रतीक'

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत सरकार ने पाकिस्तान में आतंकियों को समाप्त करने के लिए ऑपरेशन संदूर चलाया था, जो कि सफल रहा। अब गुजरात सरकार ने कच्छ में ऑपरेशन सिंदूर को समर्पित एक स्मारक बनाने का प्लान तैयार किया है। इसको लेकर एक अंग्रेजी अखबार से बातचीत में अधिकारियों ने बताया कि यह पार्क सुरक्षा बलों के प्रति सम्मान के साथ ही राष्ट्र द्वारा प्रदर्शित एकता को भी प्रतिबिंबित करेगा। गुजरात सरकार द्वारा प्लान किए गए इस पार्क का नाम 'सिंदूर वन' के तौर पर जाएगा। भारत-पाकिस्तान सीमा पर कच्छ जिले में बनाया जाएगा, जिसने दूसरी तरफ से गुजरात में हमलों का खामियाजा भुगता है। अधिकारियों ने बताया कि स्मारक के करीब डेढ़ साल में बनकर तैयार होने की उम्मीद है। साथ ही उन्होंने बताया कि जमीन पर शुरुआती काम शुरू हो चुका है। कच्छ के कलेक्टर आनंद पटेल ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान समाज, सेना, वायु सेना, बीएसएफ और अन्य बलों द्वारा प्रदर्शित एकता की याद में वन विभाग द्वारा सिंदूर वन एक स्मारक पार्क की योजना बनाई जा रही है। ऑपरेशन सिंदूर के लिए बनने वाला सिंदूर वन भुज-मांडवी मार्ग पर मिर्जापुर में वन विभाग की आठ हेक्टेयर भूमि पर बनाया जाएगा। कलेक्टर पटेल ने बताया कि इस भूमि में वह हिस्सा भी शामिल है, जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद गुजरात की अपनी पहली यात्रा के दौरान एक सार्वजनिक बैठक की थी। 26 मई की जनसभा के दौरान प्रधानमंत्री को माधापार की महिलाओं ने 'सिंदूर का पौधा' भेंट किया था, जिन्होंने 1971 के युद्ध के दौरान भुज एयर बेस रनवे को 72 घंटों के भीतर ठीक करने में मदद की थी। अपने संबोधन में मोदी ने कहा था कि वह इस पौधे को पीएम हाउस ले जाएंगे, जहां यह 'वटवृक्ष' बन जाएगा। कच्छ सर्कल के मुख्य वन संरक्षक संदीप कुमार ने कहा कि सिंदूर वन, ऑपरेशन सिंदूर पर आधारित एक थीम आधारित स्मारक पार्क होगा।

पाकिस्तान में कराची की जेल से भागे 216 कैदी

- भूकंप के बाद अफरातफरी में मेन गेट से फरार, 80 से ज्यादा दोबारा पकड़े गए

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के कराची की मलिर जेल से सोमवार रात 216 कैदी फरार हो गए। जेल प्रशासन के मुताबिक कराची में आए भूकंप के झटकों के बाद ऐहतियातन कैदियों को बैरकों से बाहर निकाला गया था। जियो न्यूज के मुताबिक इसी दौरान मौके का फायदा उठाकर कैदी मेन गेट से फरार हो गए। इनमें से करीब 80 कैदियों को दोबारा पकड़ लिया गया है, जबकि 135 कैदी अभी भी फरार हैं। जेल सुपरिंटेंडेंट अरशद शाह ने मंगलवार तड़के इसकी पुष्टि की। इससे पहले कई मीडिया रिपोर्ट्स में कैदियों के दीवार तोड़कर भागने की बात कही जा रही थी। प्रशासन ने साफ किया है कि कोई दीवार नहीं तोड़ी गई, सभी कैदी मेन गेट से ही भगदड़ के बीच भाग निकले। गृह मंत्री लांजार ने बताया कि भूकंप के बाद 700 से 1000 कैदियों को बैरकों से बाहर लाया गया था। इसी अफरा-तफरी में 100 से ज्यादा कैदियों ने मेन गेट की तरफ धक्का-मुक्की शुरू की और भाग निकले। जेल प्रशासन के मुताबिक तलाशी अभियान अब भी जारी है। इस अभियान में स्पेशल सिक्योरिटी यूनिट, रैपिड रिस्पॉन्स फोर्स, रेंजर्स और फ्रंटियर कोर की टीमें मिलकर काम कर रही हैं। घटना के तुरंत बाद जेल का नियंत्रण रेंजर्स और सेना ने संभाल लिया।

छह महीने के अंदर वक्फ संपत्तियों का अब कराना होगा रजिस्ट्रेशन!

- वक्फ संपत्तियों के रजिस्ट्रेशन के लिए होगा 'उम्मीद' पोर्टल लॉन्च

मोदी सरकार की बड़ी तैयारी, 6 जून को लॉन्च होगा उम्मीद पोर्टल

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार 6 जून को 'उम्मीद' पोर्टल लॉन्च करने जा रही है। इसका मकसद वक्फ संपत्तियों के बेहतर प्रबंधन और पारदर्शिता को बढ़ावा देना है। 'उम्मीद' का पूरा नाम है- यूनिफाइड वक्फ मैनेजमेंट, एम्पावरमेंट, एफिशिएंसी और डेवलपमेंट। यह एक सेंट्रल पोर्टल होगा, जिस पर देशभर की वक्फ संपत्तियों को रजिस्टर किया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक, पोर्टल लॉन्च होने के छह महीने के भीतर सभी वक्फ संपत्तियों को रजिस्टर करना अनिवार्य होगा। इस पर संपत्तियों का पूरा विवरण देना होगा, जैसे- लंबाई, चौड़ाई और जियो टैग की गई लोकेशन। अगर किसी संपत्ति का नाम किसी महिला के नाम पर दर्ज है, तो उसे वक्फ संपत्ति घोषित नहीं किया जा सकेगा।

रजिस्ट्रेशन के लिए दो महीने का अतिरिक्त समय दिया जा सकता है रजिस्ट्रेशन का काम संबंधित राज्य वक्फ बोर्ड करेंगे। अगर किसी वजह से तकनीकी या अन्य कारणों से समय पर रजिस्ट्रेशन नहीं हो पाया, तो 1 से 2 महीने की अतिरिक्त मोहलत दी जा सकती है। लेकिन अगर फिर भी संपत्ति रजिस्टर्ड नहीं होती, तो उसे विवादित मानते हुए वक्फ ट्रिब्यूनल के पास भेजा जाएगा। वक्फ संपत्तियों से मिलने वाले फायदों का अहम मकसद महिलाओं, बच्चों और कमजोर वर्गों को मदद देना रहेगा। यह पोर्टल हाल ही में पास हुए वक्फ (संशोधन) बिल, 2025 के तहत लॉन्च किया जा रहा है। यह बिल संसद में बहस के बाद पास हुआ था और 5 अप्रैल को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इसकी मंजूरी दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने 22 मई को वक्फ बिल पर फैसला सुरक्षित रखा था 22 मई को सुप्रीम कोर्ट में वक्फ (संशोधन) अधिनियम 2025 की वैधता को चुनौती देनी वाली याचिकाओं सुनवाई खत्म हुई। सुप्रीम कोर्ट ने फैसले को सुरक्षित रखा था। याचिकाकर्ताओं ने कानून को मुसलमानों के अधिकारों के खिलाफ बताया है और अंतरिम रोक लगाने की मांग की है। उधर, केंद्र सरकार ने कानून के पक्ष में दलीलें रखीं। आखिरी दिन बहस सरकार की उस दलील के आसपास रही, जिसमें कहा कि गया कि वक्फ एक इस्लामी अवधारणा है।

जुलाई में हो सकती है भारत अमेरिका के बीच ट्रेड डील

- अमेरिकी वाणिज्य मंत्री ने कहा-ऐसा रास्ता निकाला, जो दोनों देशों के लिए फायदेमंद

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और अमेरिका के बीच जुलाई तक ट्रेड डील साइन होने की संभावना है। अमेरिकी वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक ने सोमवार को कहा, भारत और अमेरिका के बीच बहुत जल्द ट्रेड डील हो जाएगी, क्योंकि दोनों देशों ने ऐसा रास्ता खोज लिया है जो दोनों के लिए फायदेमंद है। लुटनिक ने यह बात वॉशिंगटन में यूएस-इंडिया स्ट्रेटिजिक पार्टनरशिप फोरम के लीडरशिप समिट में कही। कल भारत के वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने भी कहा था कि दोनों देश एक-दूसरे के कारोबार को प्राथमिकता देना चाहते हैं और टीमों के बीच लगातार बातचीत हो रही है। इसके साथ ही अमेरिकी वाणिज्य मंत्री ने कहा जब दोनों तरफ सही लोग टेबल पर बैठे, तो हम सही दिशा में आगे बढ़े। अब डील में ज्यादा वक्त नहीं लगेगा। सूत्रों के मुताबिक 8 जुलाई से पहले दोनों देश एक अंतरिम समझौते पर पहुंच सकते हैं। दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भारत पर 26 फीसदी टैरिफ लगाने की घोषणा के बाद से दोनों देश ट्रेड डील पर बातचीत कर रहे हैं। ये टैरिफ भारत पर 8 जुलाई से लागू होंगे। इससे पहले अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा था अमेरिका और भारत ने ट्रेड डील के लिए शर्तों को फाइनल कर दिया है। इसे टर्म्स ऑफ रेफरेंस (टीएआर) कहते हैं।

देश के नागरिकों के लिए जल, जमीन और भाषा अहम

- कमल हासन से हाईकोर्ट बोला-क्या आप इतिहासकार हैं

चेन्नई (एजेंसी)। कर्नाटक हाईकोर्ट ने एक्टर-डायरेक्टर और नेता कमल हासन को कन्नड़ भाषा पर टिप्पणी को लेकर मंगलवार को फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा कि क्या आप इतिहासकार हैं या भाषाविद। आप कमल हासन हों या कोई और, आपके पास किसी भी व्यक्ति की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का अधिकार नहीं है। जस्टिस एम नागप्रसन्ना ने कहा, इस देश का विभाजन भाषा के आधार पर है। नागरिकों के लिए जल, जमीन और भाषा मायने रखते हैं। आपके बयान की वजह से अशांति फैली है। कर्नाटक के लोगों ने आपसे सिर्फ माफी की उम्मीद की थी। आप सुरक्षा मांगने यहां आ गए। बेंच ने आगे कहा- आप चाहते हैं कि आपकी फिल्म कर्नाटक में रिलीज हो, लेकिन आप माफी मांगने के लिए तैयार नहीं हैं। आपको पता है कि यह फिल्म कितनी जरूरी है क्योंकि इसे मणिरत्नम ने बनाई है। अगर आप कर्नाटक में फिल्म से कमाई करना चाहते हैं, तो माफी मांगिए। गलतियां सबसे होती हैं, आपको पता होना चाहिए कि गलतियां होने पर क्या करना है। दरअसल, कमल ने फिल्म 'ठग लाइफ' के ऑडियो लॉन्च के दौरान कहा था कि कन्नड़ भाषा तमिल से पैदा हुई है।

राहुल के लिए अभी दूर है दिल्ली की गद्दी!

राज्यों में नही सुधर पा रहे हैं कांग्रेस संगठन के हालात

चंडीगढ़/भोपाल (एजेंसी)। करीब 11 साल पहले कांग्रेस ने केंद्र की सत्ता गंवाई। फिर बारी-बारी राज्यों में भी फिसलती चली गई। कांग्रेस अभी देश के तीन राज्य कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश और तेलंगाना में सत्ता में है। झारखंड और तमिलनाडु में वह गठबंधन के साथ सरकार में शामिल है। राज्यों में पार्टी की स्थिति मजबूत करने के लिए राहुल गांधी राज्यों का दौरा कर रहे हैं और संगठन स्तर पर बदलाव की तैयारी भी कर रहे हैं। राहुल गांधी के सामने सबसे बड़ी चुनौती उन राज्यों में बढ़ती गुटबाजी है, जहां वह अपने दम पर चुनाव लड़ती है। कर्नाटक, हरियाणा, मध्य प्रदेश, राजस्थान, पंजाब और गुजरात जैसे राज्यों में भी नेता खेमों में बंटे हैं, जहां करीब 200 लोकसभा सीटें हैं।

हरियाणा में नहीं तय कर सके नेता प्रतिपक्ष- विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस को केंद्र की सत्ता में पहुंचने के लिए हिंदी हार्टलैंड के अलावा महाराष्ट्र और कर्नाटक जैसे राज्यों में बड़ी जीत की दरकार होगी। बिहार, यूपी, बंगाल और ओडिशा में कांग्रेस ग्राउंड लेवल पर जनाधार के अलावा मजबूत संगठनात्मक ढांचा बनाने के लिए जूझ रही है।

राहुल बोले-ट्रम्प का फोन आया, नरेंद्र तुरंत सरेंडर हो गए

भोपाल। राहुल गांधी ने मंगलवार को मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में ऑपरेशन सिंदूर और प्रधानमंत्री मोदी पर बयान दिया। राहुल बोले कि ट्रम्प का एक फोन आया और नरेंद्र जी तुरंत सरेंडर हो गए। उन्होंने कहा, इतिहास गवाह है, यही बीजेपी-आरएसएस का कैरेक्टर है।

ये हमेशा झुकते हैं। भारत ने 1971 में अमेरिका की धमकी के बावजूद पाकिस्तान को तोड़ा था। कांग्रेस के बब्बर शेर और शेरनियां सुपर पावर से लड़ते हैं, कभी झुकते नहीं हैं। राहुल गांधी ने कांग्रेस कार्यालय के बाहर पूर्व प्रधानमंत्री और अपनी दादी इंदिरा गांधी को पुष्पांजलि दी। इस दौरान वे जूते पहने हुए थे। इस पर एमपी के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राहुल गांधी पर तंज कसा।

पांच विवादित इलाकों में बॉर्डर पिलर लगाएंगे असम-मेघालय

- 15 अगस्त तक पूरा होगा काम, इन्हें लेकर 2022 में हुआ था समझौता

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम और मेघालय के बीच लंबे समय से चल रहे सीमा विवाद को सुलझाने की दिशा में दोनों राज्यों ने एक अहम कदम उठाया है। दोनों राज्यों की सरकारों ने सोमवार को घोषणा की कि 15 अगस्त यानी स्वतंत्रता दिवस तक पांच विवादित इलाकों में बॉर्डर पिलर लगाए जाएंगे। यह जानकारी दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने दी। ये पांच इलाके उन छह विवादित क्षेत्रों में शामिल हैं, जिनमें से कुल 12 विवादित क्षेत्रों को सुलझाने के लिए असम और मेघालय ने मार्च 2022 में एक समझौता किया था। गुवाहाटी में असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा और मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड संगमा ने एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। हिमंत बिस्व सरमा ने कहा, जिन छह क्षेत्रों को लेकर समझौता हुआ था, उनमें से पांच में 15 अगस्त तक बॉर्डर पिलर लगाने की कोशिश करेंगे। इनमें से एक इलाके को लेकर कुछ असहमति है।

ऑपरेशन सिंदूर पर 'इंडिया' की बैठक, 16 दल शामिल

प्रधानमंत्री से की संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर पर संसद का विशेष सत्र बुलाने के लिए इंडिया ब्लॉक की मंगलवार को नई दिल्ली में बैठक हुई। इसमें 16 विपक्षी पार्टियों ने हिस्सा लिया। टीएमसी सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने जानकारी दी कि सभी दलों ने पीएम को पत्र लिखकर संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग की गई है। आम आदमी पार्टी मीटिंग में शामिल नहीं हुई। डेरेक ने बताया कि एएपी बुधवार को प्रधानमंत्री को अलग से चिट्ठी भेजेगी। बैठक में कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस, द्रविड़ मुनेत्र कड़गम, शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे), राष्ट्रीय जनता दल, जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी), इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी, रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी, जेएमएम, विदुथलाई चिरुथैगल काची, केरल कांग्रेस, मरुमलार्ची द्रविड़ मुनेत्र कड़गम और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) लिबरेशन शामिल हुईं।

पूर्वोत्तर में बारिश-बाढ़ से हर ओर 'हाहाकार'

- असम में बाढ़ से बिगड़ गए हालात, 5.5 लाख लोग फंसे
- मरने वालों की संख्या 40 पार पहुंची, 15 नदियां उफान पर

गुवाहाटी/गंगटोक (एजेंसी)। पूर्वोत्तर के कई राज्यों में बारिश ने कहर बरपाया है। बारिश, बाढ़ और भूस्खलन की वजह से लाखों लोगों की परेशानी और बढ़ गई है। करीब 40 मौत हो चुकी हैं। असम में ही 22 जिलों में 5.35 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं, जबकि एक व्यक्ति की मौत हो जाने से मरने वालों की संख्या बढ़कर 11 हो गई। बयान के अनुसार, असम में 15 नदियां उफान पर हैं। उधर, मणिपुर, त्रिपुरा, मिजोरम, मेघालय, सिक्किम आदि राज्यों में भी हालात खराब हैं। सेना और अन्य एजेंसियों के हजारों कर्मी बचाव और राहत के कामों में जुटे हैं। भूस्खलन की वजह से बंद रास्तों और खराब मौसम के बीच कई जगह बचाव और राहत के कार्यों में दिक्कतें भी आ रही हैं। असम में बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में से एक लखीमपुर जिले का दौरा किया और प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। सरमा ने जिले के बाढ़ प्रभावित इलाकों खासकर उन जगहों का दौरा किया जो अरुणाचल प्रदेश के ऊपरी हिस्से में रंगनदी बांध से छोड़े गए पानी से जलमग्न हो गए हैं। स्थानीय लोगों से मुलाकात के बाद पत्रकारों से बात करते हुए सरमा ने कहा कि अमतोला क्षेत्र में पचनोई नदी का तटबंध टूट गया है, जिससे कई गांवों को भारी नुकसान पहुंचा है। गुवाहाटी स्थित क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र ने कहा है कि असम के अधिकतर स्थानों पर मध्यम वर्षा होने की संभावना है, जबकि कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश और कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी बारिश होने का अनुमान है। राज्य के कई इलाकों में भारी बारिश के कारण सड़क मार्ग, रेल परिवहन और नौका सेवाएं प्रभावित रहीं। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) के बुलेटिन में कहा गया है कि 22 जिलों के 65 राजस्व क्षेत्रों और 1,254 गांवों के 5,15,039 लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं।

रॉयल पत्रिका संपादकीय

देश की बीमार स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल

सरकार के तमाम दावों के बावजूद देश में स्वास्थ्य सेवाओं की सेहत लगातार बिगड़ रही है, तो आखिर इसकी वजह क्या है। प्रति वर्ष बजट में स्वास्थ्य के लिए जो राशि तय होती है, वह इतनी नहीं जिससे सभी नागरिकों को चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध हो सकें। सच्चाई यही है कि गंभीर बीमारी का इलाज कराने के क्रम में आम आदमी की सारी जमा-पूंजी खत्म हो जाती है। इसी वजह से कई परिवार तो गरीबी रेखा के नीचे चले जाते हैं। यह दुखद ही है कि आजादी के बाद से अब तक हम शहरों और गांवों में स्वास्थ्य सेवाओं का मजबूत ढांचा नहीं बना पाए हैं।

आज भी सरकारी अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों में आधुनिक उपकरणों और बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। इसका नतीजा अंतत: मरीजों को भुगतना पड़ता है। बीते दिनों बलिया में मोबाइल फोन की रोशनी में चार महिलाओं का प्रसव कराया गया। यह सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों की बदहाली की एक और बानगी है।
कई अस्पतालों में जेनरेटर और डीजल के अभाव का बहाना बनाया जाता है, लेकिन वहां इसकी सुविधा उपलब्ध होने पर भी यह नौबत क्यों आई, यह जांच का विषय है। इसी जिले में पिछले दिनों जिलाधिकारी के औचक निरीक्षण के दौरान सरकारी अस्पताल में अव्यवस्था उजागर हुई। हकीकत है कि देश में स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली आज भी कायम है।

आबादी के लिहाज से सरकारी अस्पतालों की संख्या काफी कम है। गांवों के मरीज उपचार के लिए शहरों की तरफ भागते हैं, जहां निजी अस्पतालों में अपनी थोड़ी बहुत बचत भी गंवा बैठते हैं। यह एक बड़ा सवाल है कि सेहत की देखभाल पर आम आदमी का खर्च कम क्यों नहीं हो रहा? यह सरकार के लिए भी एक चुनौती है। फिलहाल इस पर जोर देने की जरूरत है कि मरीजों का सुरक्षित उपचार हो और वे स्वस्थ होकर अपने घर लौटें।
बलिया की घटना से पहले भी टार्च की रोशनी में इलाज और आपरेशन किए जाने की खबरें आती रही हैं। उपचार में देरी और गलत निदान की वजह से मरीजों की मौत हो जाती है, इससे इनकार नहीं किया जा सकता। मसला अब बुनियादी सुविधाओं का भी है। स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही और बदहाली पर सवाल उठते हैं, तो यह गलत नही हैं।

जातिगत जनगणना के पीछे क्या है सियासी गणित? जो कांग्रेस के एजेंडे में था, अचानक BJP क्यों हुई तैयार

जातिगत जनगणना की मांग दशकों से चली आ रही है, लेकिन केंद्र सरकार ने इसे हमेशा टालने की कोशिश की। अब अचानक मोदी सरकार ने इस पर सहमति दी है। 2025 की जनगणना में जातियों की गिनती की जाएगी। यह सिर्फ आंकड़ों का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय और राजनीतिक समीकरणों से जुड़ा बड़ा फैसला है। सवाल उठता है: बीजेपी, जो इस मांग का विरोध करती आई है, आखिर अब क्यों तैयार हुई?

सियासी पृष्ठभूमि और कांग्रेस का एजेंडा

कांग्रेस की पहल:
राहुल गांधी ने जातिगत जनगणना को "OBC न्याय" का मुद्दा बनाया। उन्होंने संसद और चुनावी रैलियों में इसे प्रमुखता दी। 2024 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने इसे अपने घोषणापत्र में शामिल कर वादा किया था कि सत्ता में आते ही जातिगत जनगणना कराएंगे।

OBC वोटबैंक की लड़ाई:
आजादी के बाद OBC वर्ग लंबे समय तक कांग्रेस के साथ रहा, लेकिन 2014 के बाद यह वोट बैंक BJP की ओर झुका। कांग्रेस अब इस वोट बैंक को फिर से अपने साथ जोड़ने की कोशिश में है।

'जनगणना नहीं, सत्ता की गिनती' का नारा:
राहुल गांधी बार-बार कहते रहे कि देश की 73% आबादी OBC, SC, ST है, लेकिन सत्ता में उनकी हिस्सेदारी बेहद कम है। जाति आधारित जनगणना के जरिए वे सत्ता में 'हिस्सेदारी' का सवाल उठा रहे हैं।

30 अप्रैल 2025 को राजनीतिक विषयों की कैबिनेट कमेटी ने जातिगत जनगणना कराने का फैसला लिया। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मीडिया को बताया कि जातियों की गणना अब आने वाली मूल जनगणना में ही शामिल होगी। राजनीतिक मामलों की कैबिनेट कमेटी के अध्यक्ष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं। इसके अलावा इस कमेटी में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल भी इसमें शामिल हैं।

देश में पिछली जनगणना 2011 में हुई थी। इसे हर 10 साल में किया जाता है। इस हिसाब से 2021 में अगली जनगणना होनी थी, लेकिन कोविड-19 महामारी के कारण इसे टाल दिया गया था।

बिहार में अक्टूबर-नवंबर में चुनाव हैं, इसलिए कयास लगाए जा रहे हैं कि सरकार सिंतबर में ही जनगणना की शुरुआत कर सकती है। इसे पूरा होने में कम से कम 1 साल लगेगा, इसलिए जातिगत जनगणना के अंतिम आंकड़े 2026 के अंत या 2027 की शुरुआत तक आ सकते हैं।

जाति जनगणना के ऐलान के बाद राहुल गांधी ने कहा- हम इसे सपोर्ट करते हैं, लेकिन सरकार को इसकी समय सीमा बतानी होगी। हमने तेलंगाना में कास्ट सेंसस कराया, इसे मॉडल बनाया जा सकता है। हमें कास्ट सेंसस से आगे जाना है। किस जाति की ऊंचे पदों में कितनी हिस्सेदारी है, ये पता करनी है।

पूरे देश में जनगणना के लिए सरकारी कर्मचारियों की नियुक्ति होती है, इन्हें एन्यूमेरेटर कहते हैं। ये तय किए गए इलाकों में पहुंचकर तमाम जानकारियां जुटाते हैं। जनगणना दो हिस्सों में होती है-

हाउस लिस्टिंग और हाउस सेंसस: 1 से दो महीने के समय में सभी कच्चे-पक्के घरों की गिनती, बिजली, पेयजल, शौचालय, प्रॉपर्टी जैसे सवाल पूछे जाते हैं। अप्रैल-मई 2010 में इसमें 45 दिन का समय लगा था।

पापुलेशन काउंटिंग: इसमें करीब 1 महीने का समय लगता है। इसमें लोगों की उम्र, लिंग, परिवार, जन्म की तारीख, वैवाहिक स्थिति, पता, रोजगार, धर्म और SC/ST हैं तो उसकी डिटेल्स पूछी जाती हैं।

जनगणना का रिकॉर्ड बताता है कि हर बार पूछे जाने वाले सवालों की संख्या बढ़ जाती है। मसलन, 2001 की तुलना में 2011 की जनगणना में कई एक्स्ट्रा सवाल पूछे गए। जैसे- जहां आप नौकरी करते हैं वो जगह आपके घर से कितनी दूर है। गांव का नाम भी पहली बार पूछा गया था।

आखिर में इस डेटा को इकट्ठा करके इसे नेशनल पॉपुलेशन रजिस्टर में दर्ज किया जाता है। जनगणना अधिनियम 1948 के तहत जनगणना का विस्तृत डेटा गोपनीय रखा जाता है।

2011 तक जनगणना फॉर्म में कुल 29 कॉलम होते थे। इनमें नाम, पता, व्यवसाय, शिक्षा, रोजगार और माइग्रेशन जैसे सवालों के साथ केवल SC और ST कैटेगरी से ताल्लुक रखने को रिकॉर्ड किया जाता था। अब जाति जनगणना के लिए इसमें एक्स्ट्रा कॉलम जोड़े जा सकते हैं।

पॉलिटिकल एनालिस्ट रशीद किदवई कहते हैं कि मुसलमानों में भी कई पिछड़ी जातियां हैं। उनकी भी गिनती की जाएगी। मुख्य समस्या जनगणना के बाद शुरू होगी, जब इसे लेकर योजनाएं और रिजर्वेशन लागू करने की मांग होगी। मुसलमानों के अलावा महिलाओं या किसी भी अन्य जाति वर्ग को लेकर भी नए सिरे से एक बहस छिड़ेगी।

साल 1881 में अंग्रेजों ने पहली बार जनगणना करवाई थी। इसमें जातियों की भी गिनती होती थी। 1931 तक ऐसा ही चलता रहा। तब पूर्ण जातिगत जनगणना हुई थी। 1941 में जातिगत जनगणना तो हुई, लेकिन इसके आंकड़े सार्वजनिक नहीं किए गए।

इसके बाद आजाद भारत की पहली कैबिनेट में शामिल नेहरू, पटेल और आंबेडकर जैसे नेताओं ने तय किया कि जातिगत जनगणना नहीं करवाई जाएगी, क्योंकि इससे समाज में बंटवारा होगा।

आजादी के बाद 1951 में पहली जनगणना हुई, इसमें सभी जातियों के बजाय सिर्फ अनुसूचित जातियों (SC) और अनुसूचित जनजातियों (ST) की गिनती हुई। यानी SC और ST का डेटा दिया गया लेकिन OBC और दूसरी जातियों का डेटा नहीं दिया गया।

तब से ऐसा ही चला आ रहा है। हर दस साल में होने वाली जनगणना में SC और ST के अलावा दूसरी किसी भी जाति का डेटा नहीं दिया जाता है।

1951 से 2011 तक हर 10 साल पर जनगणना होती रही है। इसके पीछे संवैधानिक कारण हैं। दरअसल, संविधान की धारा 330 और 332 में यह प्रावधान है कि SC और ST समुदायों की जनसंख्या के आधार पर उनके लिए लोकसभा और राज्यसभा में सीटें रिजर्व की जाएं।

बिना सही जनसंख्या का पता लगाए उस अनुपात में सीटें रिजर्व करना संभव नहीं है, इसीलिए हर 10 साल में होने वाली जनगणना के साथ ही SC और ST के आंकड़े भी जारी किए जाते हैं। 2021 में जनगणना हुई नहीं है, इसलिए अभी SC और ST सीटों का रिजर्वेशन 2011 की जनगणना के आधार पर ही किया जाता है।

समय-समय पर पिछड़ी जातियों के रिजर्वेशन के लिए सभी जातियों की जनगणना की भी मांग की जाती रही है, लेकिन इसके लिए संविधान में कोई प्रावधान नहीं है।

हालांकि, इस साल बिहार और कर्नाटक जैसे राज्यों में जातिगत सर्वे कराए गए हैं। 2023 में बिहार सरकार ने इसके आंकड़े भी जारी किए थे।

बिहार ने 2 अक्टूबर, 2023 को जातिगत जनगणना (सर्वे) के आंकड़े जारी किए थे। ऐसा करने वाला देश का पहला राज्य बना था। जातिगत जनगणना और जातिगत सर्वे में तीन बड़े फर्क हैं-

1. जातिगत जनगणना का अधिकार सिर्फ केंद्र को

राष्ट्रीय स्तर पर जनगणना करवाना केंद्र सरकार का अधिकार है। 1948 के जनगणना एक्ट के तहत केंद्र सरकार का गृह मंत्रालय जनगणना से जुड़े नियम बनाने, जनगणना के लिए कर्मचारी नियुक्त करने और लोगों से डेटा इकट्ठा करने का काम कर सकता है।

संविधान के आर्टिकल 246 के तहत जनगणना संघ सूची का विषय है। इस सूची में डिफेंस, विदेशी मामले, जनगणना और रेलवे जैसे 100 मुद्दे हैं, जिन पर सिर्फ संसद कानून बना सकती है। राज्य सरकारें अपने राज्य में सामाजिक और आर्थिक मामलों से जुड़ी योजनाएं बनाने के लिए सर्वे करवा सकती हैं। 2008 के सांख्यिकी संग्रह अधिनियम के तहत उन्हें इसका अधिकार है।

किसी सर्वेक्षण के लिए राज्य सरकार कोई कमेटी या आयोग भी बना सकती है। इसी अधिकार के तहत उत्तराखंड ने यूनिफॉर्म सिविल कोड के लिए कमेटी बनाई और सर्वे करके आंकड़े जुटाए थे।

सैम्पल साइज और डेटा में फर्क

जनगणना पूरे देश में चलने वाली एक लंबी प्रोसेस है। इसमें एक तय समय के दौरान पूरे देश के लोगों को शामिल किया जाता है, जबकि जातिगत सर्वे का सैम्पल साइज छोटा होता है।

जनगणना में कई तरह के सवाल पूछे जाते हैं, जबकि जातिगत सर्वे में सिर्फ समुदाय, जाति और उपजाति से जुड़े सवाल पूछे जाते हैं। बिहार में हुई जनगणना में सिर्फ 15 सवाल पूछे गए थे।

जनगणना संवैधानिक मुद्दा, जातिगत सर्वे राज्य सरकारों की मर्जी

जनगणना करवाने को लेकर संविधान में प्रावधान हैं। वहीं जातिगत सर्वे राज्य सरकारों की अपनी मर्जी से कराए जाते हैं। इसके पीछे अक्सर राजनीतिक मंशा होती है। जबकि तर्क ये दिया जाता है कि इससे योजनाएं और आरक्षण तय करने में मदद मिलेगी।

सारा संसार

भगवान श्री कृष्ण की प्रेममय लीलास्थली के प्रति लोगों को प्रेरित करने के लिए वृंदावन में एक भव्य मंदिर लीलाधाम की स्थापना की गई। 221 फीट ऊंचे, सफेद पत्थरों वाले मंदिर में नौ मंजिला मंदिर की स्थापना सन 1969 में श्रीमद लीलानंद ठाकुर जी (पागलबाबा) द्वारा की गई।

कुदरत

डॉ कविता सिंधू ख़रीटा

परिंदों की चहचहाहट: आशा की एक विलक्षण भाषा

हर सुबह जब हम अखबार खोलते हैं या टीवी ऑन करते हैं, तो हमारे सामने युद्ध, राजनीति, और समाज की गहरी चिंताओं से जुड़ी खबरें होती हैं। सड़कों पर चलते चेहरे थकान, चिंता और निराशा से भरे होते हैं, लेकिन इसी दुनिया में, इसी समय में, कुछ ऐसा भी है जो हमें इन सबसे ऊपर उठने की शक्ति देता है वो हैं चहचहाते परिंदे। मैंने यह महसूस किया है कि दिन की शुरुआत अगर इन परिंदों को देखकर हो, तो जीवन के कठोर यथार्थ के बीच भी एक मधुर संगीत सुनाई देता है, जो हमें सुकून देता है। कमरे की खिड़की पर बैठा एक छोटा सा परिंदा जब अपने नन्हे पंख फड़फड़ाता है या खुले लॉन में उड़ता है, तो लगता है जैसे प्रकृति हमें अब भी प्रेम और मासूमियत का संदेश दे रही है। इन परिंदों की मौजूदगी हमें याद दिलाती है कि इस जटिल और बेरहम समय में भी अगर हमारे पास देखने के लिए दो भोली आंखें और महसूस करने के लिए एक धड़कता दिल है, तो पृथ्वी पर अभी भी प्रेम, उल्लास और करुणा मौजूद हैं। यह दृश्य महज एक प्राकृतिक सौंदर्य नहीं, बल्कि मानवीय संवेदना का प्रतीक है। यह हमें प्रेरित करता है कि हम अपने भीतर की आशा, विश्वास और करुणा को जीवित रखें क्योंकि करुणा ही हमें सभी जीवों के प्रति आत्मीयता का भाव रखने की प्रेरणा देती है। जब हम परिंदों को देखते हैं, हम मानो खुद से, और इस दुनिया की सुंदरता से फिर से जुड़ जाते हैं। परिंदों की चहचहाहट केवल ध्वनि नहीं, वह एक मौन संवाद है, जो हमें कहता है कि जीवन अभी समाप्त नहीं हुआ है, कि हर अंधेरे के बाद एक सुबह होती है, और हर सर्दी के बाद बसंत लौटता है। जब ये परिंदे सुबह के शांत आकाश में उड़ते हैं, तो लगता है मानो वे जीवन के गीत गा रहे हों, गीत जो संघर्ष के बावजूद उम्मीदों से भरे हैं। इन नन्हें पंखों में जो उड़ान है, वह केवल आकाश में ऊँचाई को नापने की नहीं, बल्कि हमारे मन में जमी उदासी की परतों को हटाने की है। वे हमें याद दिलाते हैं कि अगर हम चाहे तो हर दिन एक नई शुरुआत हो सकती है एक नई सोच, एक नई ऊर्जा, एक नया विश्वास। आखिरकार, परिंदों की चहचहाहट एक अनकही कविता है प्रकृति द्वारा रची गई, हर दिल को छू लेने वाली, हर आत्मा को जगा देने वाली। यह आशा की वह भाषा है जिसे न तो किसी अनुवाद की आवश्यकता है और न ही किसी औपचारिकता की। यह सीधा दिल से दिल तक पहुंचती है। तो अगली बार जब आप किसी परिंदे को चहचहाते सुनें या उड़ते हुए देखें, तो बस एक पल रुक जाइए और भीतर तक गहराई से महसूस कीजिए कि आप भी उसी आशा का ही एक हिस्सा हैं, जो हर सुबह हमारे आसमान में पंख फैलाकर उड़ान भरती है।

(ये लेखिका के अपने विचार हैं।)

सजगता से दूर होती है चिंता

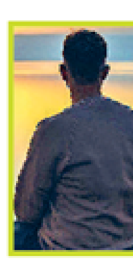

संकलित

दर्शन

जब तुम चिंता का अनुभव करो, बहुत चिंताग्रस्त हो जाओ, तब इस विधि का प्रयोग करो। इसके लिए क्या करना होगा? जब साधारणतः तुम्हें चिंता घेरती है, तब तुम क्या करते हो? तुम उसका हल ढूंढते हो। उसके उपाय खोजते हो। लेकिन ऐसा करके तुम और भी चिंताग्रस्त हो जाते हो। तुम उपद्रव को बढ़ा लेते हो, क्योंकि विचार से चिंता का समाधान नहीं हो सकता है। विचार के द्वारा चिंता का विसर्जन नहीं हो सकता है, क्योंकि विचार स्वयं एक तरह की चिंता है। यह विधि बहुत आसान है। यह कहती है कि चिंता के साथ कुछ मत करो। सिर्फ सजग हो जाओ। मैं तुम्हें एक दूसरे जेन गुरु बोकोजू के संबंध में एक पुरानी कहानी सुनाता हूं। वह एक गुफा में अकेले रहते थे, बिल्कुल अकेले। लेकिन दिन में या कभी-कभी रात में भी वह जोरों से कहता थे, 'बोकोजू'। यह उनका अपना नाम था। और फिर वह खुद कहते, 'हां महोदय, मैं मौजूद हूं।' जबकि वहां कोई दूसरा नहीं होता था। उनके शिष्य उससे पूछते थे, 'क्यों आप अपना ही नाम पुकारते हैं और फिर खुद कहते हैं, हां, मैं उपस्थित हूं?' बोकोजू ने कहा, 'जब भी मैं विचार में डूबने लगता हूं तो मुझे सजग होना पड़ता है। इसीलिए मैं अपना नाम पुकारता हूं। जिस क्षण मैं बोकोजू कहता हूं और कहता हूं कि हां महाशय, मैं मौजूद हूं, उसी क्षण विचारणा, चिंता विलीन हो जाती है।' फिर अपने अंतिम दिनों में, आखिरी दो-तीन वर्षों में उन्होंने कभी अपना नाम नहीं पुकारा और न ही यह कहा कि हां, मैं मौजूद हूं।

सिद्धियों का उचित प्रयोग ही करें

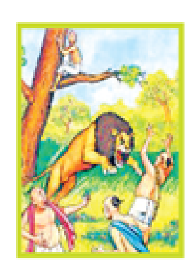

संकलित

प्रेरणा

चार विद्वान ब्राह्मण मित्र थे। एक दिन चारों ने संपूर्ण देश का भ्रमण कर हर प्रकार का ज्ञान अर्जित करने का निश्चय किया। चारों ब्राह्मणों ने चार दिशाएं पकड़ीं और अलग-अलग स्थानों पर रहकर अनेक प्रकार की विद्याएं सीखीं। पांच वर्ष बाद चारों अपने गृहनगर लौटे और एक जंगल में मिलने की बात तय की। चूंकि चारों परस्पर एक-दूसरे को अपनी गूढ़ विद्याओं व सिद्धियों को बताना चाहते थे, अतः इसके लिए जंगल से उपयुक्त अन्य कोई स्थान नहीं हो सकता था। जब चारों जंगल में एक स्थान पर एकत्रित हुए तो वहां उन्हें शेर के शरीर की एक हड्डी पड़ी हुई मिली। एक ब्राह्मण ने कहा: मैं अपनी विद्या से इस एक हड्डी से शेर का पूरा अस्थि पंजर बना सकता हूँ। उसने ऐसा कर भी दिखाया। तब दूसरे ब्राह्मण ने कहा: मैं इसे त्वचा, मांस और रक्त प्रदान कर सकता हूँ। फिर उसने यह कर दिया। अब उन लोगों के समक्ष एक शेर पड़ा था, जो प्राणविहीन था। अब तीसरा ब्राह्मण बोला: मैं इसमें अपनी सिद्धि के चमत्कार से प्राण डाल सकता हूँ। चौथे ब्राह्मण ने उसे यह कहते हुए रोका: यह मूर्खता होगी। हमें तुम पर विश्वास है, किंतु यह करके न दिखाओ। किंतु तीसरे ब्राह्मण का तर्क था कि ऐसी सिद्धि का क्या लाभ जिसे क्रियान्वित न किया जाए। उसका हठ देखकर चौथा ब्राह्मण तत्काल पास के पेड़ पर चढ़कर बैठ गया। तीसरे ब्राह्मण के मंत्र पढ़ते ही शेर जीवित हो गया। प्राणों के संचार से शेर को आहार की आवश्यकता महसूस हुई और उसने सामने मौजूद तीनों ब्राह्मणों को मारकर खा लिया। चौथे ब्राह्मण ने समझदारी से अपने प्राण बचा लिए।

अंतर्मन

आज की पाती

प्राइवेट सिस्टम : आम आदमी की जेब पर हमला

भारत एक ऐसा देश है जहां शिक्षा और स्वास्थ्य को बुनियादी अधिकार माना जाता है। लेकिन जब यही अधिकार एक व्यापार का रूप ले लें, तो आम आदमी की जिंदगी में यह अधिकार बोझ बन जाते हैं। आज के दौर में प्राइवेट स्कूल और प्राइवेट हॉस्पिटल सुविधाओं के नाम पर ऐसी व्यवस्था खड़ी कर चुके हैं जो आम नागरिक की जेब पर सीधा हमला करती है। यह हमला सिर्फ आर्थिक नहीं, मानसिक और सामाजिक भी है। प्राइवेट स्कूलों की बात करें तो अब ये शिक्षण संस्थान कम और फाइव स्टार होटल ज्यादा लगते हैं। स्कूल में दाखिले के लिए लाखों की डोनेशन, एडमिशन फीस, एनुअल चार्जेस, ड्रेस, किताबें, जूते, बस फीस, हर चीज में अलग-अलग मदों के नाम पर वसूली होती है। - चंद्रकांत पांडे, रायगढ़

ट्रेंड

रचनात्मक भूमिका को तैयार

अन्नालेना बारबॉक को संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष के रूप में चुने जाने पर बधाई। महासभा की महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए, भारत आपके नेतृत्व में साझा लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए रचनात्मक भूमिका निभाने के लिए तैयार है।
-एस जयशंकर, विदेश मंत्री

बिना शर्त रिहाई का आह्वान

जून में यमन में हूथी अधिकारियों द्वारा राजनयिक मिशनों के दर्जनों कर्मियों को मनमाने ढंग से हिरासत में लिए जाने की घटना को एक साल हो गया है। मैं उनकी तत्काल और बिना शर्त रिहाई के लिए अपना आह्वान दोहराता हूं।
-एंटोनियो गुतारेस, यूएन महासचिव

बीजेपी सिर्फ चुनाव लड़ेगी

भारतीय सेना पाकिस्तान से लड़ेगी। भारतीय सेना चीन से लड़ेगी। जनता अशिक्षा से लड़ेगी। बेरोजगारी से लड़ेगी। महंगाई से लड़ेगी। करोना से लड़ेगी। बीजेपी सिर्फ चुनाव लड़ेगी।
-संजय सिंह, आप नेता

रोगियों के लिए अच्छी खबर

बिकारा ने सिर, गर्दन के कैंसर में फिकेराफुस्प अल्फा कीटुडा के लिए उत्तरजीविता डेटा प्रस्तुत किया: 21.3 महीने - 2 साल बाद गहरी और टिकाऊ प्रतिक्रिया अंतिम चरण के एचएनएससीसी रोगियों के लिए बहुत अच्छी खबर है।
-किरण मजूमदार-शॉ, उद्योगपति

करंट अफेयर

संरा महासभा ने जर्मनी की बेयरबॉक को अध्यक्ष चुना

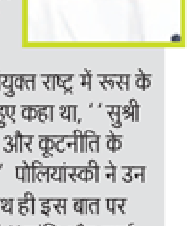

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने गुप्त मतदान की रूस की मांग के बीच जर्मनी की पूर्व विदेश मंत्री एनालेना बेयरबॉक को 193 सदस्यीय विश्व निकाय का अगला प्रमुख चुना। बेयरबॉक को 167 वोट मिले जो कि जीत के लिए आवश्यक 88 वोटों से लगभग दोगुने हैं जबकि उच्च पदस्थ जर्मन राजनयिक हेल्गा शिमड को लिखित रूप में सात वोट मिले वहीं 14 देशों ने मतदान में भाग नहीं लिया। जर्मनी ने महासभा के अध्यक्ष पद के लिए शिमड को नामित किया था, लेकिन हाल में हुए चुनाव में देश के विदेश मामलों के प्रमुख के पद से बैरबॉक की हार के बाद उन्हें ही नामित किया। इस निर्णय की जर्मनी में आलोचना भी की गई थी। जब 15 मई को बेयरबॉक अपनी उम्मीदवारी पर चर्चा करने के लिए महासभा के समक्ष उपस्थित हुईं तो संयुक्त राष्ट्र में रूस के उप राजदूत दिमित्री पोलियांस्की ने उन पर हमला बोलते हुए कहा था, ''सुश्री बेयरबॉक ने बार-बार अपनी अक्षमता, अत्यधिक पूर्वाग्रह और कूटनीति के बुनियादी सिद्धांतों की समझ नहीं होना साबित किया है।'' पोलियांस्की ने उन पर ''रूस विरोधी नीति'' अपनाने का आरोप लगाया साथ ही इस बात पर संदेह व्यक्त किया कि वह महासभा की अध्यक्ष के रूप में ''शांति और वार्ता के हित में कार्य करने में सक्षम होंगी।''

ऑफ बीट

क्या एआई एक संज्ञानात्मक क्रांति को जन्म दे रही है?

कृत्रिम मेधा (एआई) की शुरुआत मानव मस्तिष्क का अनुकरण करने की खोज के रूप मे हुई थी। लेकिन अब यह हमारे दैनिक जीवन मे मानव मस्तिष्क की भूमिका को बदलने की प्रक्रिया मे है? औद्योगिक क्रांति ने शारीरिक श्रम की आवश्यकता को कम कर दिया था। अंतरराष्ट्रीय व्यापार मे एआई के अनुप्रयोग पर शोध करने वाले व्यक्ति के रूप में मैं यह सोचने से खुद को नहीं रोक सका कि क्या एआई ज्ञान संबंधी क्रांति को बढ़ावा दे रही है या फिर ज्ञान संबंधी प्रक्रियाओं की आवश्यकता को समाप्त कर रही है क्योंकि एआई विद्यार्थियों, श्रमिकों और कलाकारों के लेखन, डिजाइन और निर्णय लेने के तरीके को नया आकार देती है। ग्राफिक डिजाइनर अपने ग्राहकों को अपने काम का नमूना दिखाने के लिए एआई का उपयोग करते हैं। बाजार में मौजूद कंपनियां एआई निर्मित प्रोफाइल बनाकर इस बात की तसदीक करती है कि उनके विज्ञापन किस तरह काम करेंगे। सॉफ्टवेयर इंजीनियर एआई कोडिंग सहायकों से काम कराते हैं। छात्र रिकॉर्ड समय में निबंध की तैयारी के लिए एआई का उपयोग करते हैं और शिक्षक प्रतिक्रिया देने के लिए इसी तरह के टूल का उपयोग करते हैं। आर्थिक और सांस्कृतिक निहितार्थ हैं ज्यादा क्या होगा, जब लेखक को सही वाक्य लिखने के लिए संघर्ष नहीं करना पड़ेगा।

रॉयल पत्रिका

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में पर्यटन समीक्षा बैठक

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। उपमुख्यमंत्री एवं पर्यटन मंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में बुधवार को जयपुर स्थित पर्यटन भवन में पर्यटन विभाग की एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित हुई, जिसमें राजस्थान के पर्यटन, विरासत संरक्षण और बुनियादी ढांचे के व्यापक विकास के बिंदुओं पर चर्चा की गई। बैठक में पर्यटन सचिव रवि जैन सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। उपमुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश में पर्यटन स्थलों, स्मारकों, संग्रहालयों और धार्मिक स्थलों का ऐसा निर्माण और विकास किया जाए कि उन्हें देखकर पूरी दुनिया आश्चर्यचकित हो जाए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विज़न के अनुरूप आधुनिक संग्रहालयों और भव्य प्रतिमाओं का निर्माण किये जाने की दिशा में अग्रसर होना चाहिए। बैठक में झुंझुनूं में 'वार म्यूजियम' स्थापित करने पर चर्चा की गई। इस संग्रहालय में राजस्थान के वीर सैनिकों की शौर्य गाथाएं, युद्ध कौशल और ऐतिहासिक युद्धों से जुड़ी सामग्री प्रदर्शित की जाएगी। योजना की डीपीआर इस क्षेत्र की विशेषज्ञ एजेंसी से तैयार कराने के निर्देश दिए। जयपुर का ऐतिहासिक अल्बर्ट हॉल संग्रहालय अब एक स्मार्ट म्यूजियम के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके तहत डिजिटल लाइट एंड साउंड शो, इंटरैक्टिव डिस्प्ले, वर्चुअल रियलिटी और एआर तकनीक जैसे आधुनिक फीचर्स जोड़े जाएंगे। इससे संग्रहालय की वैश्विक स्तर पर पहचान बनेगी।

राजस्थान के म्यूजियम होंगे डिजिटल और हाईटेक—
प्रदेश के संग्रहालयों और किलों के डिजिटलीकरण की योजना को भी मंजूरी दी गई। 25 करोड़ रुपये की लागत से AR आधारित अपग्रेडेशन, RFID टैगिंग, और वर्चुअल टूर सिस्टम लागू किए जाएंगे। पहले चरण में छह माह में कार्य पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है।

पुष्कर के लिए 100 करोड़ रुपये की विकास योजना—
धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पुष्कर की विकास योजना की पीपीटी प्रस्तुत की गई। इसमें मूल स्वरुप का ध्यान रखते हुए आवश्यक आधारभूत विकास कार्यों को प्राथमिकता से लिया जाकर शीघ्र डीपीआर प्रस्तुत करने के अजमेर विकास प्राधिकरण के अधिकारियों को निर्देश दिए गए। ब्रहमा मंदिर कोरिडोर, घाटों का जीर्णोद्धार, थीम पार्क में लेज़र शो, डिजिटल गाइडिंग सिस्टम, सावित्री वाटिका, और ब्रहमा से वराहा चौक तक कॉरिडोर निर्माण जैसे कार्य शामिल हैं। इस दौरान उपमुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि पुष्कर मेला ग्राउंड का समुचित विकास भी पुष्कर विकास योजना में सम्मिलित किया जाए।

महाराणा प्रताप टूरिस्ट सर्किट और ट्राइबल टूरिज्म को मिलेगा बढ़ावा—
बैठक में महाराणा प्रताप टूरिस्ट सर्किट को भव्य रूप से विकसित करने, युद्ध संग्रहालय झुंझुनूं, और संग्राहलयों के नवाचार पर भी चर्चा हुई। वहीं, ट्राइबल टूरिस्ट सर्किट के तहत डूंगरपुर, बांसवाड़ा, प्रतापगढ़ व उदयपुर जिलों में आदि वासी जीवन शैली को शो केस करते हुए शिल्पग्राम और जनजातीय संग्रहालय के विकास से आदिवासी युवाओं को रोजगार देने आधार बनाकर डीपीआर बनाने के निर्देश दिए गए।

जल संरक्षण और विरासत संरक्षण पर विशेष ध्यान—
राजस्थान की पारंपरिक बावड़ियों के जीर्णोद्धार को लेकर भी विशेष चर्चा हुई। उपमुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि विशेषज्ञ कंसल्टेंट्स की राय लेकर इन संरचनाओं का संरक्षण किया जाए ताकि जल संरक्षण की सदियों पुरानी परंपरा और लोक संस्कृति का संवर्धन हो सके। साथ ही, जल महल की पाल और रेलिंग के नवीनीकरण, आमेर में लाइट एंड साउंड शो की प्रगति, और शेखावाटी की हवेलियों के संरक्षण पर भी बैठक में दिशा-निर्देश जारी किए गए। वहीं, जमवाय माता मंदिर, खाटू श्याम जी, और मालासेरी डूंगरी के विकास कार्यों की टेंडर प्रक्रिया की वस्तुस्थिति से अवगत कराया गया। पर्यटन मंत्री ने निर्देश दिए कि एडवेंचर पॉलिसी की रूप रेखा को इसी जून माह में अंतिम रूप दिया जाए। साथ ही राजस्थान पर्यटन को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर शोकेस करने के लिए रोड शो आयोजित करने की संभावनाएं तलाशने को कहा।

"वर्ल्ड एनवायरमेंट डे समिट— 2025" आयोजित

- ऐसे पौधे लगाएं जो भरपूर छांव और ऑक्सीजन दें, पर्यावरण संरक्षण के लिए मिलकर कार्य करें- राज्यपाल

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि पर्यावरण की समस्या नैसर्गिक नहीं है। मिलकर प्रयास करें तो हम पर्यावरण का संरक्षण कर सकते हैं। उन्होंने ऐसे पौधे लगाने पर जोर दिया जो अधिक से अधिक छांव दें और भरपूर ऑक्सीजन दें। उन्होंने कहा कि बरगद और पीपल दिनरात ऑक्सीजन देते हैं। उन्होंने ऐसे पौधे लगाए जाने की आवश्यकता जताई जिनसे भरपूर छांव रहे। इससे भूमि गर्म नहीं होगी। भूमि गर्म नहीं होगी तो हवा गर्म नहीं होगी। इसी से पर्यावरण शुद्ध रहेगा।

राज्यपाल बागडे बुधवार को एक निजी होटल में राजस्थान एनवायरनमेंट एंड एनर्जी कंजर्वेशन द्वारा आयोजित "वर्ल्ड एनवायरमेंट डे समिट— 2025" को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले लोगों को सम्मानित भी किया।

राज्यपाल ने कहा कि पेड़ लगेंगे तभी बारिश होगी। उन्होंने जल, जंगल और जमीन बचाने के लिए मिलकर कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पानी रोकने के लिए प्रयास हों। पानी रुकेगा तभी भूमिगत जल संरक्षण हो सकेगा। उन्होंने जलयुक्त गांव बनाए जाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आकाश से पानी गिरे तो उसे बहने नहीं दें, वहीं रोकें। इसी से जल को बचा पाएंगे। महाराष्ट्र में ऐसे प्रयास हुए हैं।

राज्यपाल ने कहा कि कुलाधिपति के रूप में उन्होंने विश्वविद्यालयों में खाली स्थानों पर पेड़ लगाने के लिए पत्र लिखा हैं। उन्होंने कार्यालयों, सार्वजनिक स्थानों पर स्व प्रेरणा से पेड़ लगाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि संख्या की बजाय पनपने वाले बड़े पेड़ लगाएं और उनका संरक्षण करें। इसी से पेड़ों का पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिकाधिक उपयोग हों सकेगा।

नगरीय विकास मंत्री झाबरमल खर्रा ने वृक्ष लगाने, जल संरक्षण और स्वच्छता के लिए किशोर और युवा वर्ग को आगे आकर पहल करने का आह्वान किया। उन्होंने नई पीढ़ी को पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूक किए जाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भावी पीढ़ी में जागरूकता आ जाएगी तभी सार्थक हो सकेगा।

पद्मश्री लक्ष्मण सिंह ने गांवों में पानी की होती जा रही कमी के साथ जल संरक्षण के लिए लापोड़िया में सामूहिक भागीदारी से खुदवाए देव सागर, अन्न सागर आदि तालाबों, गोचर संस्कृति और पेड़ लगाने आदि के लिए किए कार्यों के बारे में अनुभव साझा किए।

पशुपालन विभाग के शासन सचिव डॉ. समित शर्मा ने भूजल के गिरते स्तर और जल अभाव की भविष्य में उत्पन होने वाली स्थितियों पर प्रस्तुतिकरण दिया। उन्होंने समय रहते प्रकृति, पर्यावरण की सुरक्षा के लिए प्रभावी कार्य किए जाने का आह्वान किया।

रिमझिम बारिश के बीच हुआ "रन फॉर एनवायरमेंट" का सफल आयोजन

- वन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

जयपुर,(रॉयल पत्रिका)। राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल (आरएसपीसीबी) तथा पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के सहयोग से विश्व पर्यावरण दिवस (5 जून) के अवसर पर होने वाले जनजागरूकता कार्यक्रमों की कड़ी में बुधवार को रिमझिम बारिश के बीच "रन फॉर एनवायरमेंट" का आयोजन हुआ। यह रैली अल्बर्ट हॉल से प्रारंभ होकर गांधी सर्किल से होते हुए पुनः अल्बर्ट हॉल पर समाप्त हुई।

रैली को राज्य सरकार के वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री(स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान शर्मा ने उपस्थित जन को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई। उन्होंने जल, वायु और भूमि को प्रदूषण से मुक्त बनाने और भावी पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण बनाने के लिए भी शपथ दिलाई। उन्होने राजकीय चिड़ियाघर में पौधारोपण किया और सभी से अधिकाधिक पौधे लगाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में जयपुर रनर्स क्लब, स्काउट एवं गाइड, एनसीसी, पुलिस, होमगार्ड, पर्यावरण विभाग, वन विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों, विभिन्न हितधारकों सहित लगभग 1200 लोगों ने भाग लिया। रैली के दौरान पुलिस, एम्बुलेंस, फायर ब्रिगेड आदि मुस्तैद रहे। रैली के मार्ग में जगह-जगह पर ठण्डे पेय प्रदार्थों आदि की व्यवस्था रही, जिसके लिए प्लास्टिक ग्लास के बजाय कुल्हड़ का उपयोग किया गया।

कार्यक्रम में प्रधान मुख्य वन संरक्षक (हैड ऑफ फोरेस्ट फोर्स) अरिजीत बनर्जी, प्रधान मुख्य वन संरक्षक (प्रशासन) एवं प्रधान मुख्य वन संरक्षक, समन्वय पवन कुमार उपाध्याय, प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) एवं मुख्य वन्य जीव प्रतिपालक सुश्री शिखा मेहरा, राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल के सदस्य सचिव शारदा प्रताप सिंह सहित मंडल के सभी अधिकारीगण व कर्मचारीगण मौजूद रहे।

वंदे गंगा, जल संरक्षण अभियान में सबका श्रम, सबकी सहभागिता करें सुनिश्चित

- जल संसाधन मंत्री अभियान में सभी खालों की होगी शत-प्रतिशत डिसिल्टिंग

-राज्य में 5 जून से 20 जून तक चलेगा वंदे गंगा, जल संरक्षण जन अभियान

जयपुर,(रॉयल पत्रिका)। जल संसाधन मंत्री सुरेश रावत ने कहा कि मानसून में वर्षा जल के अधिक से अधिक संग्रहण एवं विद्यमान जल स्रोतों के रख-रखाव एवं स्वच्छता हेतु 5 जून से 20 जून तक पूरे राज्य में चलने वाले वंदे गंगा, जल संरक्षण अभियान को जन आंदोलन बनाना है। रावत मंगलवार को बीकानेर जिला कलेक्ट्रेट सभागार में वीसी के जरिए वंदे गंगा, जल संरक्षण अभियान की संभाग में तैयारियों की समीक्षा कर रहे थे।

जल संसाधन मंत्री ने कहा कि इस अभियान में सबका श्रम, सबकी सहभागिता सुनिश्चित करते हुए कुएं, बावड़ी, तालाब, टांकों और वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर की साफ सफाई को लेकर जनप्रतिनिधियों के अलावा महिलाओं, युवाओं, किसानों, पत्रकारों, पुलिस, एनसीसी, सिविल डिफेंस, एनजीओ, विभिन्न सामाजिक संगठनों समेत सभी वार्गों को आमंत्रित करना है और इस अभियान से जोड़ना है ताकि हम वर्षा जल का अधिक से अधिक संग्रहण कर सकें। अभियान के प्रचार प्रसार को लेकर रथ यात्रा, कलश यात्रा, नुक्कड़ नाटक, प्रभात फेरी समेत विभिन्न एक्टिविटी करवानी है।

जल संसाधन मंत्री रावत ने कहा कि इस अभियान के तहत सभी खालों की शत-प्रतिशत डिसिल्टिंग का कार्य किया जाएगा। खालों की सफाई एक-दो दिन में नहीं हो सकती, लिहाजा पूरे अभियान के दौरान ही खालों की सफाई चलेगी। प्रशासन इस प्रकार प्लान तैयार करे कि पटवारी और ग्राम पंचायत को भी इससे जोड़ें और मनरेगा से भी इनकी सफाई करवाना सुनिश्चित करें।

रावत ने कहा कि बारिश के दिनों में जिन क्षेत्रों में पानी भरा रहता है, उनको चिन्हित कर उनका समाधान भी निकाला जाए। अभियान के तहत जिले के प्रत्येक गांव में जल संरक्षण को लेकर कोई ना कोई एक्टिविटी करवाई जाए। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण को लेकर कोई पुराना तालाब इत्यादि बना है तो वहां उस तालाब की जानकारी देने वाला बोर्ड भी लगाया जाए।

इस दौरान वीसी के माध्यम से श्रीगंगानगर जिला कलक्टर डॉ. मंजू ने बताया कि राज्य सरकार के निर्देशानुसार वंदे गंगा, जल संरक्षण अभियान का शत-प्रतिशत क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाएगा। जल स्रोतों की साफ-सफाई के लिए जनप्रतिनिधियों के अलावा महिलाओं, युवाओं, किसानों, पुलिस, एनसीसी, सिविल डिफेंस, एनजीओ, विभिन्न सामाजिक संगठनों को जोड़ा जाएगा। उन्होंने बताया कि जिले में कुल 15 लाख पौधे रोपित किए जाएंगे।

जब तक घर-घर हर बच्चे तक शिक्षा नहीं पहुंच जाती हम चैन से नहीं बैठेंगे - नफीस इदरीसी

मनोहरपूर,(रॉयल पत्रिका)। सामाजिक संस्था अंजुमन इदरीसिया के तत्वावधान में उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में आल इंडिया कैफ़ी आज़मी अकैडमी में संस्था के मिशन इक़रा के तहत

एक तालीमी सेमिनार आयोजित हुआ। जिसमें देश के कोने-कोने से आये शिक्षाविद और मेम्बरान ने शिरकत करी प्रोग्राम का आयोजन अंजुमन इदरीसिया की उप्र की युनिट के अध्यक्ष जनाब नूर इदरीसी की अगुवाई में हुआ।

अंजुमन इदरीसिया सेन्ट्रल कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जनाब हाजी मो. नफीस इदरीसी ने तालीम की अहमियत पर ज़ोर देते हुए कहा कि जब तक घर-घर हर बच्चे तक शिक्षा नहीं पहुंच जाती हम चैन से नहीं बैठेंगे। इस मौके पर अंजुमन इदरीसिया के मिशन इक़रा प्रोग्राम की वेबसाइट भी लांच हुई। वेबसाईट https://www.our-missioniqra.com पर कोई भी व्यक्ति/विद्यार्थी अपना रजिस्ट्रेशन करके जानकारी हासिल कर सकता है।

इस मौके पर बिरादरी की नामचीन हस्तियों ने शिक्षा पर अपनी अपनी बात रखी।

जयपुर से तशरीफ़ लाये मोहम्मद अयूब इदरीसी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष का आभार व्यक्त किया और उम्मीद विश्वास दिलाया कि राजस्थान में इदरीसी बिरादरी को संगठित किया जाएगा ।

इस मौके पर संस्था के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हाजी मो. इसरार इदरीसी, हाजी अब्दुल रहमान अख़्तर, अहमद मुबीन इदरीसी, हाजी मो इसरार, हाजी मो. सगीर, अख़्तर हुसैन, आफ़ताब आलम, हाजी हफीजुद्दीन, मो. अतीक़, डॉ. रफ़त हुसैन, मो. नक़ी, हाजी मोइजुद्दीन आदि मौजूद रहे।

सबका साथ, सबका विश्वास, सबका प्रयास के लक्ष्य के साथ जनहित के कार्यों को मिल रही है गति - डॉ. सौम्या गुर्जर

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम ग्रेटर के क्षेत्राधिकार में स्थित जगतपुरा जोन के वार्ड नंबर 118 में बुधवार को विभिन्न विकास कार्यों का शुभारंभ एवं लोकार्पण किया गया। सेक्टर 19 में सड़क निर्माण कार्य का शिलान्यास बुधवार को विधायक कैलाश वर्मा एवं नगर निगम ग्रेटर महापौर डॉ॰ सौम्या गुर्जर के कर-कमलों द्वारा किया गया। इस अवसर पर स्थानीय पार्षद श्रीमती ममता शर्मा, जनप्रतिनिधि सहित आम जन मौजूद रहे।

इस अवसर पर महापौर ने बताया कि नगर निगम ग्रेटर जनहित के कार्यों के लिए हमेशा अग्रसर रहा है। "सबका साथ, सबका विश्वास, सबका प्रयास के लक्ष्य के साथ हम सभी कार्य कर रहे हैं। जो वादे हमने चुनाव के समय किए थे उन सभी को हम पूरा करने के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध हैं उन कार्यों में से लगभग कार्य पूरे कर लिए गए हैं, शेष कार्य भी प्रगतिरत हैं। माननीय मुख्यमंत्री महोदय के नेतृत्व में विकास कार्यों को गति मिल रही है। इसके अतिरिक्त जगतपुरा जोन के वार्ड 120 व 121 में विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास भी किया गया।

रामगढ़ बांध के बहाव क्षेत्र की तीन बीघा भूमि अतिक्रमण मुक्त

-जोन-10 में दस बीघा भूमि पर तीन अवैध कॉलोनियों को किया ध्वस्त

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा जोन-10 में निजी खातेदारी की करीब 10 बीघा कृषि भूमि पर 03 नवीन अवैध कॉलोनियों का पूर्णतः ध्वस्त किया गया। जोन-13 में ग्राम अचरोल में करीब 03 बीघा रामगढ़ बांध के बहाव/भराव क्षेत्र की भूमि को कब्जा-अतिक्रमण मुक्त करवाया गया।

महानिरीक्षक पुलिस कैलाश चन्द्र विश्नोई ने बताया को जोन-10 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ग्राम जामड़ोली, आगरा रोड़, जिला जयपुर में करीब 05 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर "सत्यम् एन्कलेव" के नाम से बनाई गई मिट्टी-ग्रेवल सडकें, बाउण्ड्रीवाल, मकान का ढाँचा व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होने पर आज जोन-10 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मषीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया। जोन-10 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित सुमेल रोड़, जिला जयपुर में करीब 02 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर "कौषल्या विहार" के नाम से बनाई गई मिट्टी-ग्रेवल सडकें, बाउण्ड्रीवाल व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होने पर आज जोन-10 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मषीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया।

जेडीए द्वारा जोन-10 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित मित्तल कॉलेज के पीछे, जिला जयपुर में करीब 03 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर बनाई गई मिट्टी-ग्रेवल सडकें व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होने पर आज जोन-10 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मषीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया।

इसी प्रकार जोन-13 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ग्राम अचरोल में करीब 03 बीघा रामगढ़ बांध के बहाव/भराव क्षेत्र की भूमि के खसरा नं. 605, 610, 611, 612, 613, 614, 615, 619, 612/6896, 2664 पर कब्जा-अतिक्रमण कर मिट्टी, मलबा डालकर, अवैध रूप से अतिक्रमण किये जाने की सूचना प्राप्त होने पर आज जोन-13 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मषीन व मजदूरों की सहायता से हटवाया जाकर रामगढ़ बांध के बहाव/भराव क्षेत्र की भूमि को अतिक्रमण मुक्त करवाया।

उक्त कार्यवाहियां उपनियंत्रक प्रवर्तन-द्वितीय, प्रवर्तन अधिकारी जोन-10, 13 की उपस्थिति तथा प्राधिकरण में उपलब्ध जाप्ते, लेबर गार्ड एवं जोन में पदस्थापित राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा सम्पादित की गई।

प्रवर्तन प्रकोष्ठ जविप्रा द्वारा वर्ष 2024 में 383 व वर्ष 2025 में 174 आज तक कुल 557 नवीन अवैध कॉलोनियों को ध्वस्त कर अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयासों को विफल किया गया।

घनश्याम सैनी शाहपुरा विधानसभा समन्वयक को ऑर्डिनेटर बनाए गए

मनोहरपुर,(रॉयल पत्रिका)। राजीव गांधी पंचायती राज संगठन राजस्थान जिला जयपुर ग्रामीण में हुआ विस्तार। प्रदेश अध्यक्ष सी.बी यादव के अनुमोदन उपरांत जिला जयपुर ग्रामीण अध्यक्ष नंदलाल गोठवाल के द्वारा घनश्याम सैनी शाहपुरा विधानसभा समन्वयक को ऑर्डिनेटर बनाए गए। जिनको पदाधिकारीयों द्वारा एवं गणमान्य लोगों द्वारा बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई।

आवश्यक नम्बर

बिजली फॉल्ट के लिए	
टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912
कचरा गाड़ी के लिए	
ग्रेटर	2747400
सीवरेज लीकेज	2607500
हैरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420
पुलिस की मदद के लिए	
साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181

पानी के लिए	
जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400
मेडिकल इमरजेंसी के लिए	
एंबुलेंस	102/108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771
घायल पशुओं के लिए	
नगर निगम	2747400
डॉग बाइक	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

जर्जर पेड़ की टहनी गिरने से युवक की मौत

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। सवाई माधोपुर जिला मुख्यालय के पुराने शहर स्थित अंसारी मोहल्ले में तेज हवाओं के झोंके से एक युवक के सर पर एक जर-जर पेड़ की टहनी गिरने से युवक की अकाल मौत हो गई । मृतक युवक अंसारी मोहल्ला निवासी 35 वर्षीय मोहम्मद नफीस है, जानकारी के मुताबिक मृतक मोहम्मद नफीस पुत्र रईस मोहम्मद परिवार में इकलौता कमाने वाला था, उसके पिता रईस मोहम्मद बीमार रहते है और माँ की भी मानसिक हालत ठीक नही है। बताया जा रहा है कि सोमवार शाम मोहम्मद नफीस अपने काम काज से निवृत होकर अपने घर अंसारी मोहल्ला लौट रहा था, उस दौरान तेज हवाएं चल रही थी, नफीस पैदल ही अपने घर जा रहा था, इसी दौरान जैसे ही नफीस एक जर जर पेड के नीचे से गुजरने लगा, तभी पेड़ की एक टहनी टूटकर नफीस के सर पर गिर गई, जिससे नफीस गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजनों एंव मोहल्ले वासियों ने नफीस को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहाँ चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के परिजनों एंव मोहल्लेवासियों का कहना है कि पेड़ जर जर हो चुका था, जिसे काटने के लिए मोहल्लेवासियों ने स्थानीय पटवारी को लिखित में शिकायत भी दी थी, लेकिन प्रशासन द्वारा पेड़ को नही हटाया गया। नतीजा यह हुवा की पेड की टहनी गिरने से नफीस की अकाल मौत हो गई। स्थानीय लोगो एंव परिजनों का कहना है कि प्रशासन अगर समय रहते पेड को कटवा देता तो आज नफीस जिंदा होता, उनका कहना है कि नफीस की मौत का जिम्मेदार लापरवाह प्रशासन है, घंटों तक चली पुलिस प्रशासन ओर तहसीलदार की समझाइस के बाद शव का पोस्टमार्टम कर परिजनों को सुपुर्द किया गया। मौके पर तहसीलदार, थानाधिकारी, स्थानीय पार्षद अबरार मोहम्मद, मेहनाज पटेल ओर सलमान रंगरेज समेत अन्य जिम्मेदार ओर स्थानीय लोग मौजूद रहे। इन मांगों पर बनी सहमति 1 मृतक के परिवार को 50 लाख सहायता राशि, 1सरकारी नौकरी, डेयरी बूथ सहित सभी सरकारी योजनाओं का लाभ का प्रस्ताव बनाकर प्रशासन की ओर से सरकार को भेजा जाएगा।

गुरुवार को होगा वंदे गंगा अभियान का शुभारंभ

-जागरूकता हेतु 'रन फॉर इनवायरमेंट' साइकिल रैली का आयोजन, जल संरक्षण का लिया संकल्प

हनुमानगढ़, (रॉयल पत्रिका)। विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में बुधवार, 4 जून को प्रातः 5:30 बजे जिला मुख्यालय जंक्शन स्थित भगत सिंह चौक से 'रन फॉर इनवायरमेंट' साइकिल रैली का आयोजन किया गया। यह रैली "वंदे गंगा" अभियान के जल स्वावलंबन पखवाड़े के अंतर्गत जल संरक्षण की थीम पर आयोजित की गई।

रैली को जिला कलेक्टर काना राम, एसपी हरि शंकर, जनप्रतिनिधि प्रमोद डेलू एवं अमित सहू ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली से पूर्व, जिला कलेक्टर ने जल संरक्षण की संकल्प शपथ भी दिलाई। यह रैली भगत सिंह चौक से प्रारंभ होकर भारत माता चौक होते हुए सेंट्रल पार्क टाउन तक गई और फिर उसी मार्ग से वापस लौटकर भगत सिंह चौक पर समापन किया गया।

इस रैली में स्काउट, एनसीसी, एनएसएस स्वयंसेवकों, विद्यालय विद्यार्थियों, साइकिल संगठनों एवं आमजन ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सरस डेयरी द्वारा प्रतिभागियों के लिए छाछ व लस्सी की व्यवस्था की गई थी।

रैली में एडीएम उम्मेदी लाल मीना, जिला परिषद सीईओ ओपी बिश्नोई, एसडीएम मांगीलाल, नगर परिषद आयुक्त सुरेंद्र यादव, जिला खेल अधिकारी शमशेर सिंह, टीओ कृष्ण कुमार सहित अन्य गणमान्य सदस्य भी शामिल हुए।

वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत पीले चावल वितरित कर किया जागरूक

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार के निर्देशानुसार सम्पूर्ण प्रदेश में 5 से 20 जून, 2025 तक वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान का आयोजन किया जा रहा है।

जिला कलक्टर शुभम चौधरी एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी गौरव बुड़ानिया के निर्देशानुसार उक्त अभियान एवं 5 जून को आयोजित होने वाले कार्यक्रम में आमजन और जनप्रतिनिधियों की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए राजीविका की महिला स्वयं सहायता समूह द्वारा बुधवार को जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों में पीले चावल वितरित किए गए।

जिला कलक्टर ने खण्डार में मनरेगा कार्यों का किया निरीक्षण

-मनरेगा श्रमिकों से संवाद कर जानी व्यवस्थाएं

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर शुभम चौधरी बुधवार को खण्डार उपखण्ड के दौरे पर रही। इस दौरान उन्होंने खण्डार में मनरेगा कार्यों का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लेकर संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किए।

जिला कलक्टर ने पंचायत समिति खण्डार में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत कचरा संग्रहण केन्द्र के पास नवीन तलाई खुदाई कार्य चारागाह भूमि छाण एवं मानसरोवर बांध पर सफाई और मरम्मत कार्यो का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कार्य स्थलों पर श्रमिकों की उपस्थिति, छाया, पेयजल एवं प्राथमिक चिकित्सा जैसी मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता, कार्य की गुणवत्ता, प्रगति की स्थिति एवं संपूर्ण कार्य प्रणाली की सूक्ष्मता से जांच की। उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करते हुए सभी कार्यों में पूर्ण पारदर्शिता एवं समयबद्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने मनरेगा महिला श्रमिकों से संवाद कर छाया-पानी की व्यवस्था तथा वेतन भुगतान की जानकारी ली। श्रमिकों ने कार्यस्थल की सुविधाओं पर संतुष्टि व्यक्त करते हुए वेतन भुगतान समय पर प्राप्त होने की बात कहीं। उन्होंने विकास अधिकारी को निर्देशित किया कि प्रत्येक पंचायत में फार्म नंबर 5 की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, ताकि इच्छुक ग्रामीणों को समय पर मनरेगा कार्य उपलब्ध कराए जा सकें।

प्रभारी सचिव डॉ. नीरज के पवन ने समीक्षा बैठक में दिए निर्देश

हनुमानगढ़, (रॉयल पत्रिका)। जल संरक्षण और पर्यावरण बचाव को लेकर जिले में 5 से 20 जून तक 'वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान' चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत जिले में विविध कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की जाएगी। बुधवार को भी आमजन की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए जगह-जगह पीले चावल बांटे गए, और साइकल रेली निकाली गई। इसी सिलसिले में जिला प्रभारी सचिव एवं खेल, युवा मामले विभाग सचिव डॉ. नीरज के पवन ने विभिन्न विभागों की समीक्षा बैठक ली।

डॉ. नीरज के पवन ने हरियालों राजस्थान, मानस नशा मुक्त अभियान, कृषि महोत्सव, टीबी मुक्त भारत अभियान, पीएम श्री विद्यालय, सड़क, पेयजल, विद्त आपूर्ति इत्यादि की समीक्षा की। जिला कलेक्टर ने बताया कि अभियान का शुभारंभ 5 जून को गंगा दशमी और विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 'आपणी योजना' धन्नासर में जिला स्तरीय कार्यक्रम के साथ होगा, जिसमें प्रभारी मंत्री सुमित गोदारा एवं प्रभारी सचिव डॉ. नीरज के पवन शिरकत करेंगे। इसके साथ ही उपखंड और ग्राम पंचायत स्तर पर भी जल स्वावलंबन पखवाड़े की शुरुआत की जाएगी। प्रतिदिन एक उपखंड में जिला स्तरीय कार्यक्रम तथा अन्य उपखंड मुख्यालयों पर स्थानीय स्तर के आयोजन होंगे। 5 जून को ही सांय सेंट्रल पार्क में सांस्कृतिक संध्या कार्यक्रम का आयोजन होगा।

गुरुवार को जल संरक्षण पखवाड़े के आगाज के साथ तुलसी पौधों का वितरण, प्लास्टिक मुक्त जीवन की शपथ, नेचर वॉक, निबंध, भाषण और कविता प्रतियोगिताए, बाल सभा, जल स्रोतों की सफाई और नुक्कड़ नाटक जैसे कार्यक्रम आयोजित होंगे। सांस्कृतिक संध्या का आयोजन भी जनभागीदारी को प्रेरित करेगा।

अभियान के अंतर्गत 6 जून निर्जला एकादशी से लेकर 20 जून तक प्रतिदिन कार्यक्रम होंगे। प्रत्येक ग्राम पंचायत में 8 और 20 जून को विशेष ग्राम सभाए होंगी, जिनमें जल संचय से जुड़ी कम से कम 20 गतिविधियों का चयन कर 30 नवम्बर तक पूर्ण किया जाएगा। अभियान में समाजसेवी संस्थाओं, एनजीओ, भामाशाहों और आमजन की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी।

विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून के उपलक्ष्य में लगाए पौधे, पक्षियों के लिए बांधे परिण्डे

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून के उपलक्ष्य में क्षेत्रीय कार्यालय, राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल, सवाई माधोपुर एवं प्राकृतिक सोसायटी, सवाई माधोपुर के संयुक्त तत्वाधान में क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा संचालित पर्यावरण जागरूकता सप्ताह के तहत मंगलवार को ग्राम डिडायच में पौधारोपण कर पक्षियों के लिये परिण्डे लगाये गये।

कार्यक्रम के दौरान प्रदूषण नियंत्रण मण्डल क्षेत्रीय अधिकारी बलजीत मीणा एवं प्राकृतिक सोसायटी की अध्यक्ष रूपिंदर कौर ने ग्राम परिसर में लगभग 101 पौधे रोपित करने के साथ पक्षियों के लिए लगभग 15 परिण्डे लगाकर उनकी नियमित देखभाल तथा पानी का प्रबंध करने की जिम्मेदारी ग्रामवासियों को दी। क्षेत्रीय अधिकारी ने ग्रामवासियों को दैनिक जीवन में पर्यावरण संरक्षण का महत्व बताया। इसके साथ ही कपड़े के थैले वितरित कर, सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने तथा कपडे एवं जूट के बने थैले उपयोग में लेने का आग्रह किया।

इस अवसर पर क्षेत्रीय कार्यालय के कनिष्ठ पर्यावरण अभियन्ता राजकुमार गुर्जर एवं धर्मराज मीणा, कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी आकांक्षा शर्मा एवं डॉ. अंजलि उपाध्याय तथा सहायक लेखाधिकारी रविन्द्र कुमार मनोहरिया सहित अन्य कर्मचारी एवं प्राकृतिक सोसायटी के सदस्य हनुमान प्रसाद वैष्णव, ग्रामवासी विक्रम मीणा, बाबूलाल मीणा एवं गंभीर मीणा आदि उपस्थित रहे।

जिला प्रभारी सचिव ने किया जल संरक्षण कार्यों का निरीक्षण

-'वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान' की तैयारियों का लिया जायजा

बारां,(रॉयल पत्रिका)। जिले में जल संरक्षण एवं जन जागरूकता की दिशा में चल रहे प्रयासों के तहत बुधवार को जिला प्रभारी सचिव जोगाराम (आई.ए.एस.) ने जलग्रहण विकास एवं भू-संरक्षण विभाग के विभिन्न कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर भी मौजूद रहे।

प्रभारी सचिव एवं जिला कलक्टर ने ग्राम पंचायत तिसाय के ग्राम खेड़ली केशो तथा कोटड़ा सुंदड़ा की ग्राम तेजगढ़ में अटल भू जल योजना के अंतर्गत निर्मित तलाई और एनिकट का अवलोकन किया। उन्होंने निर्माण कार्य की गुणवत्ता, जल संग्रहण क्षमता तथा सामग्री की प्रयोगशाला परीक्षण (लैब टेस्ट) के संबंध में अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की। साथ ही निर्माण स्थलों पर कार्य के नक्शे, लागत का अवलोकन करते हुए मनरेगा व एमजेएसए (मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान) के अंतर्गत कराए गए समस्त कार्यों के निकट पौधरोपण करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान प्रभारी सचिव ने ग्रामीणों से संवाद स्थापित कर जल संरक्षण के संबंध में उनकी जागरूकता की जानकारी ली तथा उनकी समस्याओं और सुझावों को गंभीरता से सुना। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को क्षेत्रीय जरूरतों के अनुरूप कार्यों में गति लाने और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

इसके अतिरिक्त, उन्होंने पीएचईडी द्वारा अमृत मिशन परियोजना के अंतर्गत ग्राम मजरावता में निर्मित इंटेक वेल एवं पम्प हाउस का भी निरीक्षण किया और उसकी कार्यप्रणाली एवं जल आपूर्ति क्षमता की जानकारी ली।

निरीक्षण के दौरान एसीईओ हरिशचंद मीणा, जलग्रहण विकास एवं भू-संरक्षण विभाग के अधिशाषी अभियंता रिछपाल धायल सहित अन्य अधिकारी एवं तकनीकी कार्मिक उपस्थित रहे।

प्रभारी सचिव ने गंगा दशहरा एवं विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में 5 जून से 20 जून 2025 तक आयोजित होने वाले 'वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान' की तैयारियों की समीक्षा की और संबंधित विभागों को अभियान को प्रभावी बनाने हेतु समन्वय एवं जागरूकता गतिविधियां सुदृढ़ करने के निर्देश दिए।

विकसित कृषि संकल्प अभियान शिविर आयोजित कर किसानों को मृदा परीक्षण, जैविक खेती एवं सरकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा घोषित 'विकसित भारत 2047' के विज़न को साकार करने हेतु देशभर में संचालित 'विकसित कृषि संकल्प अभियान 2025' के अंतर्गत बुधवार को सवाई माधोपुर जिले के विभिन्न ग्रामों में विशेष कृषि जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अभियान का उद्देश्य किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों, सरकारी योजनाओं एवं प्राकृतिक खेती के प्रति जागरूक करना है।

बुधवार को सवाई माधोपुर खंड के सवाईगंज, जीनपुर और बोरिफ ग्रामों में कृषि विज्ञान केंद्र, सवाई माधोपुर के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. भँवर ढाका और डॉ. भरत लाल मीना के नेतृत्व में जागरूकता शिविर आयोजित किए गए।

इस अवसर पर कृषि विभाग के अधिकारी अमर सिंह (परियोजना निदेशक, आत्मा) खेम राज मीना, श्रीनारायण मीना (सहायक कृषि अधिकारी), क्षेत्रीय कृषि पर्यवेक्षक, एवं कृषि उपज मंडी समिति सवाई माधोपुर के अधिकारी भी उपस्थित रहे।

कृषि उपज मंडी समिति के अधिकारी ने किसानों को बाजार मूल्य की पारदर्शिता, फसल की गुणवत्ता पर आधारित मूल्य निर्धारण, ई-नाम पोर्टल पर पंजीयन, और ऑनलाइन बिक्री के लाभ संबंधी जानकारी दी। उन्होंने किसानों को मंडी प्रक्रिया से जुड़े अधिकारों और अनुदानों के बारे में भी जागरूक किया।

कार्यक्रम में किसानों को मृदा परीक्षण, उन्नत बीजों का चयन, सिंचाई प्रबंधन, जैविक खेती, एवं सरकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही फसल बीमा और जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से निपटने की तकनीकों पर भी चर्चा की गई।

इसी कड़ी में कृषि विज्ञान केंद्र की वैज्ञानिक डॉ. सुरेश बैरवा (बागवानी विशेषज्ञ), डॉ. चमनदीप कौर (गृह विज्ञान विशेषज्ञ) एवं कृषि विभाग की अधिकारी रजनी वर्मा (सहायक कृषि अधिकारी) ने ग्राम बगीना, ऐचेरा और डिडायच में भी जागरूकता शिविर आयोजित किए।

वैकल्पिक उर्वरकों और वैज्ञानिक खेती से बढ़ेगी उपज: संभागीय आयुक्त

-कोटा में खरीफ 2025 की तैयारी को लेकर संभाग स्तरीय बैठक आयोजित

शब्बीर हुसैन

कोटा,(रॉयल पत्रिका)। खरीफ 2025 के लिए कृषि आदान, विशेषकर उर्वरकों एवं बीज की समय पर और उचित दर पर उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बुधवार को सीएडी सभागार, कोटा में संभागीय आयुक्त राजेन्द्र सिंह शेखावत की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

उर्वरकों की स्थिति और संभावित मांग पर चर्चा

बैठक में खरीफ 2025 के लिए जिलेवार फसलवार संभावित बुवाई क्षेत्र, पूर्व वर्षों के आंकड़ों के आधार पर उर्वरकों की मांग एवं उपलब्धता की समीक्षा की गई। संभागीय आयुक्त ने बताया कि संभाग में मांग के अनुसार यूरिया, डीएपी, एनपीके, सिंगल सुपर फॉस्फेट (एसएसपी) और पोटाश (एमओपी) जैसे प्रमुख उर्वरकों का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। राज्य सरकार द्वारा माहवार आवंटनानुसार आपूर्ति होती रहेगी।

सहकारी स्तर पर इफको, कृभको तथा निजी क्षेत्र में एनएफएल, आईपीएल जैसी कंपनियों के पास पर्याप्त मात्रा में उर्वरक मौजूद हैं।

मिट्टी में पोषक तत्वों की कमी गंभीर विषय

बैठक में प्रस्तुत विश्लेषण में बताया गया कि कोटा संभाग की कृषि भूमि में जिंक की 22 प्रतिशत, लोह (आयरन) की 28 प्रतिशत और सल्फर की 50 प्रतिशत तक की कमी पाई गई है। यह स्थिति फसलों की गुणवत्ता और उत्पादन को प्रभावित कर सकती है। इस संबंध में संभागीय आयुक्त ने निर्देश दिए कि किसानों को वैकल्पिक उर्वरकों के उपयोग के लिए प्रेरित किया जाए और सॉयल टेस्टिंग के माध्यम से मिट्टी की स्थिति के अनुसार उर्वरक प्रयोग के लिए जागरूक किया जाए।

सोयाबीन फसल के लिए विशेष जानकारी

बैठक में कृषि अधिकारियों द्वारा जानकारी दी गई कि हाड़ौती क्षेत्र में सोयाबीन की खेती बड़े पैमाने पर होती है। इसमें एसएसपी उर्वरक का उपयोग लाभकारी होता है क्योंकि इसमें कैल्शियम और सल्फर जैसे आवश्यक पोषक तत्व होते हैं। बैठक में विशेष रूप से यह बताया गया कि सोयाबीन का बीज स्वपरागित होता है, अतः जिन किसानों के पास दो-तीन वर्ष पुराना अच्छी किस्मों का बीज सुरक्षित है, वे उसका उपयोग कर सकते हैं। इससे उन्हें नया बीज खरीदने की आवश्यकता नहीं होगी और उत्पादन पर भी असर नहीं पड़ेगा।

किसानों को जागरूक करने के निर्देश

संभागीय आयुक्त ने निर्देश दिए कि ग्राम स्तर पर किसानों को मिट्टी परीक्षण, उर्वरकों का संतुलित उपयोग, सिंचाई के सही समय, बीज उपचार एवं वैज्ञानिक खेती की जानकारी देने के लिए विशेष जागरूकता अभियान चलाया जाए। मोबाइल वैन के जरिए खेतों से मिट्टी के नमूने लेकर सॉयल टेस्टिंग लैब तक भेजे जाएं और किसानों को रिपोर्ट के आधार पर फसल चयन एवं उर्वरक उपयोग संबंधी सुझाव दिए जाएं।

वंदे गंगा जल संरक्षण - जन अभियान के तहत जिले में रन फॉर एनवायरनमेंट का आयोजन

बारां, (रॉयल पत्रिका)। गंगा दशमी एवं विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत जिले में 'रन फॉर एनवायर्नमेंट' कार्यक्रम के तहत दौड़ आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जल संरक्षण व पर्यावरण के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया। इस अवसर पर एडीएम दिवांशु शर्मा ने हरी झंडी दिखाकर दौड़ को रवाना किया। दौड़ में एएसपी राजेश चौधरी, डीएसओ अनील चौधरी सहित पुलिस बल, वन विभाग के अधिकारी-कर्मी, खिलाड़ीगण एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी तथा नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

एएसपी राजेश चौधरी ने प्रतिभागियों को प्रेरित करते हुए कहा कि "जल और पर्यावरण का संरक्षण हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। ऐसे आयोजनों से जनमानस को जागरूकता करना है, हम सब की जिम्मेदारी है कि पर्यावरण संरक्षण में अपना योगदान दे।

उप वन संरक्षक अनील यादव ने बताया कि यह दौड़ बुधवार प्रातः 7 बजे खेल संकुल से प्रारंभ होकर चार मूर्ति चौराहा एवं प्रताप चौक से होते हुए पुनः खेल संकुल पर समाप्त हुई। दौड़ में चतर खान ने प्रथम, सुरेन्द्र कुमार ने द्वितीय एवं पंकज स्वामी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम के माध्यम से "प्लास्टिक छोड़ें, प्रकृति बचाएं" का संदेश जन-जन तक पहुंचाया गया, और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया।

5 जून को 'वंदे गंगा' जल संरक्षण जन अभियान अन्तर्गत आयोजित होने वाले कार्यक्रम -

प्रातः 6 से 7 बजे तक साइकिल रैली का आयोजन, 7 बजे से खेल संकुल में नगर परिषद द्वारा मनिहारा तालाब पर श्रमदान कार्यक्रम का आयोजन, 10 बजे वन विभाग की खेरखेडी नर्सरी ग्राम सम्बलपुर में वन विभाग द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस कार्यक्रम का आयोजन, दोपहर 12 बजे से 'कर्मभूमि से मातृभूमि' अभियान के कार्यों का निरीक्षण, सायं 5:30 बजे से जिला कलेक्ट्रेट सभागार में प्रेस कॉन्फ्रेंस एवं समीक्षा बैठक का आयोजन किया जाएगा।

वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान के दौरान जिले के समस्त अधिकारी व कर्मचारी मोबाइल पर लोगो लगाकर अभियान के लिए जागरूक करेंगे

पाली, (रॉयल पत्रिका)। गंगा दशमी एवं विश्व पर्यावरण दिवस पर राज्य सरकार द्वारा 5 जून को वन्दे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान का लोगो सोशल मीडिया स्टेट्स पर लगाने के साथ शुरू होगा जिससे सभी मे जल संरक्षण के प्रति जागरूकता लाने व जल को संग्रहित करने का संदेश दिया जाएगा।

जिला कलक्टर एलएन मंत्री ने बताया कि गुरुवार को गंगा दशमी एवं विश्व पर्यावरण दिवस पर वन्दे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान का शुम्भारम्भ जिलेभर में होगा। वन्दे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान का पखवाड़ा 05 से 20 जुन तक मनाया जाएगा। समस्त विभागीय स्तर के अधिकारी समस्त कर्मचारी इस अभियान के प्रचार-प्रसार के लिए अपने मोबाईल पर सोशल मीडिया के माध्यम से वन्दे गंगा जल संरक्षण एवं जन अभियान का लोगो अपने स्टेट्स पर लगाने से जल संरक्षण, जल संग्रह, पौधा रोपण (हरियालो राजस्थान) स्वच्छता के प्रति आमजन को इस अभियान के द्वारा जागरूक किया जाएगा ताकि आम जन में पखवाड़े तक चलने अभियान की जानकारी भी प्राप्त कर सकेंगे, ताकि मानसून वर्षा के द्वारा जल को संचय एवं सदपयोग किया जा सकेगा। समस्त जिलाधिकारी अपने अधिनस्थ समस्त अधिकारीयों व कार्मिकों को वन्दे गंगा जल संरक्षण एवं जन अभियान का लोगो अपने स्टेटस पर लगाने के लिए प्रोत्साहित कर इस अभियान को सफल बनाने में शतप्रतिशत अपनी भूमिका का निर्वहन करें।

महिन्द्रा युनिवर्सिटी ने डॉक्टर जयराम रघुनाथ को स्कूल ऑफ लॉ का डीन नियुक्त किया

नई दिल्ली/हैदराबाद। महिन्द्रा युनिवर्सिटी ने डॉक्टर जयराम रघुनाथ को स्कूल ऑफ लॉ का नया डीन नियुक्त करने की घोषणा की है। डॉक्टर रघुनाथ एक निपुण शिक्षाविद, विधि शिक्षक और शोधकर्ता हैं जिन्हें कानून में 25 वर्ष से अधिक का गहरा अनुभव है और उन्होंने कॉरपोरेट प्रैक्टिस और संस्थागत नेतृत्व किया है। महिन्द्रा युनिवर्सिटी में आने से पूर्व डॉक्टर रघुनाथ ने जींडी गोयनका युनिवर्सिटी और मणिपाल युनिवर्सिटी, जयपुर में डीन के तौर पर सेवाएं दी हैं। वह संस्थागत मध्यस्थता केंद्रों की स्थापना समेत विधि शिक्षा में पेशेवर अभ्यास को एकीकृत करने के अग्रणी प्रयासों की अगुवाई की और उनके द्वारा स्थापित मध्यस्थता केंद्रों को एपीसीएएम द्वारा सर्वोत्तम एडीआर नवप्रवर्तन के तौर पर मान्यता दी गई। सीखने वालों पर केंद्रित और उद्योग के अनुरूप पाठ्यक्रम डिजाइन और अनुदेशात्मक डिजाइन पर विशेष जोर के साथ ही सीखने का आश्वासन और टेक्नोलॉजी एकीकरण में उनकी विशेषज्ञता है जिससे भविष्य के अनुरूप शिक्षा में नवप्रवर्तन को प्रोत्साहन मिल रहा है। इस युनिवर्सिटी में डॉक्टर रघुनाथ का स्वागत करते हुए महिन्द्रा युनिवर्सिटी के कुलपति डॉक्टर यजुलू मेदुरी ने कहा, हमें स्कूल ऑफ लॉ के डीन के तौर पर डॉक्टर जयराम रघुनाथ का स्वागत करते हुए बेहद खुशी है। उनका दूरदर्शी नेतृत्व और नवप्रवर्तन एवं अकादमिक उत्कृष्टता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता, विधि शिक्षा की नए सिरे से कल्पना करने के महिन्द्रा युनिवर्सिटी के मिशन के अनुरूप है। जैसा कि हम भविष्य में ऐसे कानूनी पेशेवर तैयार करने के लिए प्रयासरत हैं जो एक गतिशील वैश्विक परिदृश्य की जटिलताओं का पता लगा सकें, डॉक्टर रघुनाथ का नेतृत्व एक ऐसे विश्वस्तरीय, अंतरक्षेत्रीय विधि पारितंत्र का निर्माण करने में सहायक होगा जिसकी जड़ें नवप्रवर्तन, नैतिकता और प्रभाव में शामिल हों। अपनी नियुक्ति पर प्रतिक्रिया देते हुए डॉक्टर जयराम रघुनाथ ने कहा, यह भारत में विधि शिक्षा के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है और मैं महिन्द्रा युनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ लॉ का नेतृत्व करने को लेकर उत्साहित हूं क्योंकि यह एक मजबूत विजन और वैश्विक नजरिये के साथ नए मोर्चे पर अग्रणी है।

तेजस कार्गो इंडिया ने एफवाय25 में 50 प्रतिशत की ईबीआईटीडीए वृद्धि दर्ज की!

मुंबई। देशभर में अपनी मजबूत उपस्थिति के साथ अग्रणी लॉजिस्टिक्स सेवा प्रदाता तेजस कार्गो इंडिया लिमिटेड ने अपनी एच2 और वित्त वर्ष 2024-25 की ऑडिटेड वित्तीय रिपोर्ट जारी की। तेजस कार्गो इंडिया लिमिटेड के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर, श्री चंदर बिंदल ने कहा, वित्त वर्ष 2024-25 तेजस कार्गो इंडिया के लिए एक परिवर्तनकारी वर्ष रहा है। हमने नेट प्रॉफिट में 45 प्रतिशत की वृद्धि हासिल की, जो बेहतर एसेट उपयोग, लागत प्रबंधन और स्केल विस्तार के कारण संभव हुआ। हमारे प्रमुख मील के पत्थर में एनएसई इमर्ज पर सफल लिस्टिंग, हमारे बेड़े का 1,100 से अधिक वाहनों तक विस्तार, और देशभर में 22 स्थानों तक हमारी भौगोलिक पहुंच शामिल है। हमने कई उद्योग क्षेत्रों में विविधता लाते हुए अपने ग्राहक आधार को भी महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाया। ये सभी विकास हमारे संचालन निष्पादन और दीर्घकालिक विकास योजना पर ध्यान केंद्रित करने को दर्शाते हैं। भारत में लॉजिस्टिक्स सेक्टर विभिन्न उद्योगों में बढ़ती मांग और आपूर्ति श्रृंखलाओं के औपचारिकरण से लाभान्वित हो रहा है। तकनीक, बेड़े और मल्टीमॉडल क्षमताओं में हमारे निवेश इन रुझानों के अनुरूप हैं।

कौन हैं बिलाल बिन साकिब जिन्हें मिली पाकिस्तान को बिटकॉइन किंग बनाने का जिम्मेदारी

नईदिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान ने पिछले हफ्ते एक बड़ा कदम उठाया। उन्होंने अपना पहला सरकारी स्ट्रैटेजिक बिटकॉइन रिजर्व बनाया है। इसका मतलब है कि पाकिस्तान अब बिटकॉइन क्रिप्टोकरेंसी को एक संपत्ति के रूप में देख रहा है। उनका मकसद है दुनिया भर से निवेश को आकर्षित करना। वे दिखाना चाहते हैं कि वे डिजिटल संपत्ति को लेकर गंभीर हैं। यह घोषणा तब हुई जब प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने 34 साल के बिलाल बिन साकिब को अपना विशेष सहायक नियुक्त किया। बिलाल बिन साकिब पाकिस्तान क्रिप्टो काउंसिल के सीईओ हैं। उन्हें राज्य मंत्री का दर्जा दिया गया है। इसका मतलब है कि सरकार उन्हें क्रिप्टो के मामलों में बहुत महत्व दे रही है।

क्या करते हैं बिलाल

बिलाल बिन साकिब तयाबा नाम की एक संस्था के को-फाउंडर हैं। यह संस्था पाकिस्तान में पानी की समस्या को हल करने के लिए काम करती है। फोर्ब्स के अनुसार, उनका फेमस प्रोडक्ट एच2ओ व्हील है। यह एक पहिया है जिससे लोग 40 लीटर तक पानी आसानी से ले जा सकते हैं। इससे ग्रामीण इलाकों में महिलाओं और बच्चों को पानी लाने में बहुत मदद मिलती है। तयाबा ने पाकिस्तान में 5500 से ज्यादा पहिए बांटे हैं।

लंदन से की है पढ़ाई- बिलाल बिन साकिब के पास लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से इनोवेशन और एंटरप्रेन्योरशिप की डिग्री है। वे क्वीन मैरी यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन के सलाहकार बोर्ड में भी हैं। साल 2017 में ब्लॉकचेन में आने से पहले, उन्होंने 10 साल तक एक अंतरराष्ट्रीय रणनीति सलाहकार के रूप में काम किया। उन्होंने ज्यादातर यूके की कंपनियों को एशिया और अफ्रीका में विस्तार करने में मदद की।

फोर्ब्स 30 अंडर 30 में शामिल- साल 2023 में बिलाल को किंग चार्ल्स ने एमबीई से सम्मानित किया। यह सम्मान उन्हें यूके में कोविड-19 के दौरान वन मिलियन मील्स पहल के माध्यम से राहत कार्य करने के लिए मिला। उन्हें फोर्ब्स 30 अंडर 30 लिस्ट में भी शामिल किया गया है। यह लिस्ट उन युवाओं की है जिन्होंने समाज में अच्छा काम किया है।

क्या होगा बिलाल का काम- बिलाल बिन साकिब को कई जिम्मेदारियां दी गई हैं। उन्हें डिजिटल संपत्ति के लिए ख्रख्रख्र के नियमों के अनुसार एक ढांचा बनाना है। ख्रख्रख्र एक संस्था है जो यह देखती है कि कहीं पैसे का गलत इस्तेमाल तो नहीं हो रहा है। उन्हें राष्ट्रीय बिटकॉइन माइनिंग प्रोजेक्ट शुरू करने हैं। बिटकॉइन माइनिंग का मतलब है बिटकॉइन बनाना। उन्हें फाइनेंस, जमीन के रिकॉर्ड और सरकारी कामकाज में ब्लॉकचेन तकनीक को शामिल करना है।

अडानी ग्रुप के शेयरों में गिरावट, ईरान से गैस मंगाने का आरोप, अमेरिका में हो रही जांच

नईदिल्ली, एजेंसी। देश के तीसरे सबसे बड़े औद्योगिक घराने अडानी ग्रुप के शेयरों में आज शुरुआती कारोबार में गिरावट देखी जा रही है। इनमें दो फीसदी तक गिरावट आई है। अमेरिका के बिजनस अखबार द वॉल स्ट्रीट जर्नल की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिकी अधिकारी गौतम अडानी की कंपनियों की जांच कर रहे हैं। आरोप है कि अडानी की कंपनियों ने ईरान से एलपीजी गैस मुंद्रा पोर्ट के जरिए भारत में मंगाई। हालांकि अडानी ग्रुप ने इन आरोपों को गलत बताया है। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि उसने जानबूझकर किसी भी तरह से प्रतिबंधों का उल्लंघन नहीं किया है और न ही ईरान से एलपीजी का कारोबार किया है। शुरुआती कारोबार में अडानी ग्रुप की 10 लिस्टेड कंपनियों में से आठ में गिरावट आई है। सबसे ज्यादा गिरावट ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज में आई है। कंपनी का शेयर बीएसई पर 2452.70 रुपये तक गिरावट गया था। इसी तरह अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकनॉमिक जोन, अडानी टोटल गैस, अडानी ग्रीन एनर्जी, अडानी एनर्जी सॉल्यूशन, अडानी पावर, एनडीटीवी और अंबूजा सीमेंट्स में गिरावट आई है।

युवा ने चार नई स्टाइलिशपेंसिलें पेश कीं- रिट्ज़, ड्रीमी, क्लिप और ल्यूमिनो

मुंबई, एजेंसी। नवनीत एज्युकेशन के स्टेशनरी ब्रांड युवा ने अपनी नई रंगीन पेंसिल रेंज - रिट्ज़, ड्रीमी, क्लिप और ल्यूमिनो लॉन्च की है। पर्सनैलिटी, काम की उपयोगिता के अनुसार आसान डिज़ाइन और किफायती कीमत - इन तीनों को मिलाकर तैयार की गई यह सीरीज़ छात्रों, क्रिएटर्स और स्टाइल के साथ लिखने वालों के लिए एक नया पसंदीदा विकल्प बनने जा रही है।

रोज़मर्रा के लेखन और ड्रॉइंग के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए सोच-समझकर डिज़ाइन की गई ये पेंसिलें अल्ट्रा-डार्क 2एक्सबी के साथ आती हैं, जो स्मूद और बोल्ड स्ट्रोक्स देती हैं। प्रीमियम मेटैलिक फिनिश वाली पैकेजिंग और आरामदायक हेक्सागोनल ग्रिप के साथ ये पेंसिलें देखने में जितनी आकर्षक हैं, हाथ में पकड़ने पर उतनी ही शानदार लगती हैं – उपयोगिता और स्टाइल का यह परफेक्ट कॉम्बिनेशन है।

रिट्ज़, ड्रीमी, क्लिप और ल्यूमिनो का हर पैक 10 पेंसिलों के साथ आता है, जो रचनात्मकता और व्यक्तिगत स्टाइल को दर्शाने के लिए खासतौर पर डिज़ाइन की गई हैं।

रिट्ज़ में मैट ब्लैक फिनिश के साथ तीन अलग-अलग रंगीन पैटर्न दिए गए हैं, जो उन लोगों के लिए परफेक्ट हैं जिन्हें हल्के से बोल्ड लुक के साथ रंगों का तड़का पसंद है। इसके विपरीत, ड्रीमी एक नर्म और फैंटेसी जैसी फील लेकर आती है – सॉफ्ट पेस्टल शेड्स, मोती चमक कोटिंग और हर पेंसिल पर बना एक प्यारा सा मिनी पॉ डिज़ाइन इसे और खास बनाता है। हर पैक में एक फ्री शार्पनर और इरेज़र शामिल है, जिससे यह एक कम्प्लीट स्टेशनरी सेट बन जाता है।

हेक्सागोनल शेप वाली क्लिप पेंसिलों पर उपयोगकर्ताओं को प्रेरित करने के लिए एक प्रेरणादायक उद्धरण उत्कीर्ण किया गया है। इस पैक में निःशुल्क शार्पनर और इरेज़र भी दिया गया है, जिससे यह लेखन और चित्रांकन के लिए एक परफेक्ट सेट बन जाता है। ट्रायंगल शेप वाली ल्यूमिनो परचमकदार फ्लोरेसेंट शेड्स शामिल हैं। यह पेंसिल अतिरिक्त सुविधा के लिए इरेज़र टिप के साथ आती हैं और साथ में एक निःशुल्क शार्पनर भी दिया जाता है।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने फॉर्च्यूनर और लीजेन्डर नियो ड्राइव 48वी वेरिएंट लॉन्च किए

बैंगलोर, एजेंसी। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने फॉर्च्यूनर और लीजेंडर को नए नियो ड्राइव अवतार/ग्रेड में पेश करने की घोषणा की। 48 वोल्ट के उन्नत सिस्टम से युक्त, नए नियो ड्राइव वेरिएंट ईंधन की खपत के लिहाज से बेहतर हैं, ड्राइविंग प्रदर्शन अच्छा है और अधिक आराम प्रदान करते हैं - शहरी परिस्थितियों और ऑफ-रोड स्थितियों में अधिक परिष्कृत अनुभव प्रदान करते हैं। 2009 में बाजार में पेश किये जाने के बाद से, टोयोटा फॉर्च्यूनर ने प्रीमियम एसयूवी सेगमेंट में मानक स्थापित किया है। इसे अपनी बोल्ड डिज़ाइन, जबरदस्त प्रदर्शन और बेजोड़ ऑल-टेरेन क्षमता के लिए जाना जाता है। बाद के कुछ वर्षों में, इस एसयूवी ने शहरी रोमांच के शौकीनों से लेकर ऑफ-रोड उत्साहियों के बीच, एक मजबूत और निष्ठावान अनुसरण तैयार किया है। अपने स्टाइलिश और फीचर-वाले समकक्ष, लेजेंडर के साथ, फॉर्च्यूनर टोयोटा के मुख्य मूल्यों जैसे गुणवत्ता, स्थायित्व, विश्वसनीयता और ग्राहक-केंद्रित नवाचार पर निरंतर ध्यान केंद्रित करता है। फॉरच्यूनर और लीजेंडर नियो ड्राइव 48वी वेरिएंट की पेशकश पर बोलते हुए, सेल्स-सर्विस-यूज्ड कार बिजनेस के उपाध्यक्ष, श्री वरिंदर वाधवा ने कहा, जैसे-जैसे भारत में एसयूवी बाजार लगातार बढ़ रहा है, ग्राहक उन्नत सुविधाओं और अलग-अलग स्टाइल की मांग कर रहे हैं, फॉरच्यूनर और लीजेंडर दोनों अपने बोल्ड डिजाइन, शक्तिशाली प्रदर्शन और व्यापक सुविधाओं के साथ इन अपेक्षाओं को पूरा करते हुए आगे बढ़ रहे हैं, जो विविध उपयोगकर्ताओं की जरूरतों को सहजता से पूरा करते हैं। नियो ड्राइव 48वी ग्रेड की शुरूआत हमारी यात्रा में एक और मील का पत्थर है। सेगमेंट के पहले के रूप में यह ग्राहकों की बदलती जीवनशैली के साथ तालमेल बैठाने वाली, हमेशा बेहतर कारें देने की हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है, साथ ही कार्बन तटस्थता के प्रति टोयोटा के बहु-मार्ग दृष्टिकोण को भी मजबूत करता है। व्यावहारिक, भविष्य के लिए तैयार गतिशीलता समाधानों के माध्यम से, हम ग्राहक मूल्य को बढ़ाने और अधिक टिकाऊ कल के लिए सार्थक रूप से योगदान करने का प्रयास करते हैं। बेहतर ईंधन अर्थव्यवस्था और कम उत्सर्जन प्रदान करने के उद्देश्य से, नियो ड्राइव वेरिएंट टोयोटा के शक्तिशाली 2.8-लीटर, 4-सिलेंडर टर्बो-डीज़ल इंजन से युक्त हैं, जिन्हें अब 48-वोल्ट सिस्टम के साथ जोड़ा गया है, जिसमें बेल्ट-एकीकृत स्टार्टर जनरेटर और लिथियम-आयन बैटरी है। यह हाइब्रिड असिस्ट कम गति पर अधिक सुगम त्वरण, शांत संचालन और बेहतर दक्षता प्रदान करता है।

पावर एंड इंस्ट्रूमेंटेशन (गुजरात) ने एफवाय25 में राजस्व में 73 प्रतिशत और शुद्ध लाभ में 100 प्रतिशत की धमाकेदार बढ़त दर्ज की!

अहमदाबाद। पावर एंड इंस्ट्रूमेंटेशन (गुजरात) लिमिटेड, , जो विद्युत ठेका और उपकरण उद्योग के प्रमुख खिलाड़ियों में से एक है, ने क्यू4 एफवाय25 और एफवाय25 के अपने ऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की है। आर्थिक प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए, श्री पद्मराज पद्मनाभन पिल्लई, प्रबंध निदेशक, पावर एंड इंस्ट्रूमेंटेशन (गुजरात) लिमिटेड ने कहा, हमें एफवाय25 में असाधारण प्रदर्शन की रिपोर्ट देते हुए गर्व महसूस हो रहा है, जो हमारी क्रियान्वयन क्षमताओं की ताकत और हमारे संचालन को मार्गदर्शित करने वाली रणनीतिक स्पष्टता को दर्शाता है। हमारी आय में साल-दर-साल प्रभावशाली 73 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि शुद्ध लाभ लगभग 100 प्रतिशत बढ़ा, जो हमारी विकास रणनीति की प्रभावशीलता और हमारे व्यापार मॉडल की मजबूती को दर्शाता है। यह तिमाही हमारे सफर में कई रणनीतिक मील के पत्थर भी चिह्नित करती है। हमने पीआइजीएल के समय पर किए गए प्रवेश के माध्यम से सोलर इपीसी सेक्टर में महत्वपूर्ण कदम रखा है, जो भारत के अक्षय ऊर्जा की तेज़ी से हो रही परिवर्तन के साथ पूरी तरह मेल खाता है।

अमेरिकी शेयर बाजार रिकॉर्ड के करीब, तेल की कीमत में तेजी का असर; कच्चे तेल के दाम 3 प्रतिशत बढ़े

नईदिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी शेयर बाजार सोमवार को रिकॉर्ड स्तर के करीब बंद हुआ। मई महीने में बेहतरीन प्रदर्शन के बाद जून की शुरुआत भी अच्छी रही। एस×पी 500 में 0.4 प्रतिशत, डॉव जोंस में 35 अंकों (0.1 प्रतिशत) और नैस्डैक में 0.7 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। हालांकि, दिन की शुरुआत बाजार में गिरावट के साथ हुई थी क्योंकि अमेरिकी मैन्युफैक्चरिंग से जुड़ी रिपोर्ट्स निराशाजनक थीं। इसके बावजूद, एनवीडिया और मेटा जैसे बड़ी कंपनियों के शेयरों में तेजी से बाजार संभल गया। तेल के दाम में 3 प्रतिशत से ज्यादा की तेजी भी बाजार को प्रभावित कर रही है। ओपीईसी+ देशों ने उत्पादन बढ़ाने की घोषणा की, लेकिन रूस-यूक्रेन तनाव के कारण आपूर्ति को लेकर चिंता बनी हुई है।

अमेरिका और चीन के बीच बढ़ी तनातनी

इसी बीच अमेरिका और चीन के बीच फिर से तनातनी बढ़ गई है। चीन ने अमेरिका पर एआई चिप्स की बिक्री रोकने और वीज़ा रद्द करने जैसे कदमों के जरिए व्यापार समझौते के उल्लंघन का आरोप लगाया।

अमेजन बाजार के साथ करें स्मार्ट ट्रैवल, जहां ट्रैवल से जुड़ी जरूरी चीजें 99 रुपए से हैं शुरू

150 रुपए तक के कैशबैक का फायदा उठाएं, संडे बाजार के दौरान 80 फीसद तक की बचत करें, 5-डे आसान फ्री रिटर्न के साथ पाएं फ्री डिलीवरी

मुंबई, एजेंसी। इस बार गर्मी, अधिक खर्च नहीं बल्कि अधिक अनुभव हासलि करने वाली है। अचानक समुद्र तट की सैर से लेकर सनराइज ट्रैक तक, ट्रैवलर्स भारी बैग छोड़कर कॉम्पैक्ट, ऑल-इन-वन गियर चुन रहे हैं। लीक-प्रूफ बोतल, इनफ्लेटेबल नेक पिलो, और स्मार्ट ट्रैवल हैक्स पर शानदान डील्स की आपको तलाश है, अमेजन बाजार पर सबकुछ उपलब्ध है। अमेजन बाजार पर बेहद किफायती रेंज देखें, जो 599 रुपए से कम में भारत का पसंदीदा चलता-फरिता शॉपिंग सेंटर है। अगर आप अपनी अगली छुट्टियों की योजना बना रहे हैं, और विभिन्न ट्रैवल प्रोडक्ट्स पर आकर्षक डील्स की तलाश कर रहे हैं, तो अब आप अपनी खोज को यहीं रोक दीजिए, क्योंकि अमेजन बाजार आपके लिए तैयार है। क्या आप खोज के लिए तैयार हैं यहां आपके लिए कुछ टॉप ट्रैवल सुझाव हैं, जो यह सिद्ध करते हैं कि स्मार्ट पैकिंग के लिए बड़े बजट की बिल्कुल भी जरूरत नहीं है। यात्रा के लिए कॉम्बो - ट्रैवल बोतल - 199 रुपए में 6 बोतल पाएं, भारी-भरकम टॉयलेट्री बैग्स को गुडबाय कहें, ये स्लीक और लीक-प्रूफ मिनी स्नैप टाइट बंद होते हैं और किसी भी कैरी-ऑन में आसानी से फिट हो जाते हैं। मजबूत प्लास्टिक से बने, ये आपके लोशन, सीरम और शैम्पू को सुरक्षित और फैलने से रोकेते हैं। ये उन लोगों के लिए उपयुक्त हैं जो हमेशा यात्रा करने के लिए तैयार हैं और भारी लगैज को पैकिंग करना पसंद नहीं करते हैं। टूथब्रश और सोप केस सेट : टूथब्रश और सोप केस सेट- 199 रुपए में खरीदें, इसके बाद आपके गीले ब्रश या साबुन के झाग से गंदे बैग से छुटकारा मिलेगा, यह मजबूत डुअल-कम्पार्टमेंट केस नमी और गंदगी को दूर रखता है। कठोर

एचडीएफसी बैंक मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में मेगा 'ऑटो लोन मेला' करेगा आयोजित

भोपाल। भारत का अग्रणी निजी क्षेत्र का बैंक एचडीएफसी बैंक 3 और 4 जून, 2025 को दो दिवसीय मेगा 'ऑटो लोन मेला' आयोजित करने जा रहा है। इस दो दिवसीय लोन मेले में राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ की 450 से अधिक शाखाएँ भाग लेंगी। क्षेत्र के प्रमुख चार पहिया वाहन डीलरशिप नवीनतम पेशकशों का प्रदर्शन करेंगे। लोन मेले में आने वाले ग्राहक वाहनों को देख और टेस्ट ड्राइव कर सकते हैं, जबकि पात्र ग्राहक आसान पुनर्भुगतान विकल्पों के साथ मौके पर ही ऋण स्वीकृत करवा सकते हैं। ऋण मेला खरीदारों को वास्तविक कार डीलरों से जोड़ने के लिए डिज़ाइन किया गया एकीकृत प्लेटफ़ॉर्म प्रदान करेगा, जबकि एचडीएफसी बैंक एक्सप्रेस कार ऋण के माध्यम से सुचारू ऋण वितरण सुनिश्चित करेगा। यह सुविधा मौजूदा और भावी एचडीएफसी बैंक ग्राहकों दोनों के लिए उपलब्ध है। 'एक्सप्रेस कार लोन' प्लेटफॉर्म एक पूर्ण डिजिटल, पेपरलेस और संपर्क-मुक्त प्रक्रिया को सक्षम बनाता है, जिससे डीलरों को ऑटो लोन का वितरण केवल 30 मिनट के भीतर हो जाता है।

नाईसस फाइनेंस ने एफवाय25 में कुल आय में 56 प्रतिशत वृद्धि के साथ शानदार परिणाम दिए

मुंबई, एजेंसी। नाईसस फाइनेंस सर्विसेज कंपनी लिमिटेड जो शहरी बुनियादी ढांचे और संरचित वित्त में विशेषज्ञता रखने वाली एक प्रमुख निवेश प्रबंधन कंपनी है, ने एच2 और एफवाय25 के लिए अपने ऑडिटेड वित्तीय परिणाम प्रकाशित किए हैं। नाईसस फाइनेंस के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक श्री अमित गोयनका ने कहा:-एफवाय25 हमारे लिए रणनीतिक गति और प्लेटफॉर्म विकास का वर्ष रहा। नाईसस फाइनेंस ने रियल एस्टेट और शहरी अवसंरचना में विशेषज्ञता के साथ एक क्षेत्रीय रूप से विविध संपत्ति प्रबंधक बनने के अपने दृष्टिकोण को और मजबूत किया। जीसीसी क्षेत्र में डीआइएफसी आधारित उपस्थिति स्थापित कर तथा दुबई के जेवीसी और अल फुर्जान जैसे उच्च संभावनाओं वाले आवासीय क्षेत्रों में अधिग्रहण करके हमने सीमा-पार निवेश और दीर्घकालिक स्थायित्व की दिशा में ठोस कदम उठाए। साथ ही, मॉरिशस में एक निवेश वाहन स्थापित कर वैश्विक शहरी अवसंरचना अवसरों के लिए पूंजी संग्रहण की दिशा में भी हमने कदम बढ़ाए। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों स्तरों पर हमारे आधार के सशक्त होने से, हम विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में उभरते अवसरों का लाभ उठाने में सक्षम हैं। हमारा 955 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि के साथ 1,572 करोड़ तक पहुंच गया है। हमारा एकीकृत बिजनेस मॉडल, जो फंड मैनेजमेंट और ट्रांजैक्शन एडवाइजरी पर आधारित है, बाजार चक्रों में भी निरंतर मूल्य निर्माण कर रहा है। इस वर्ष हमने चार हाई-यील्ड एग्जिट्स को सफलतापूर्वक निष्पादित किया, जिनसे 18 प्रतिशत-21 प्रतिशत के बीच आइआरआर प्राप्त हुआ। इन उपलब्धियों के पीछे एक मजबूत गवर्नेंस ढांचा, कुशल टीम और स्केलेबल प्लेटफॉर्म की भूमिका रही है। सलाहकार आय में बढ़ती हिस्सेदारी और वैश्विक पूंजी भागीदारों की बढ़ती भागीदारी हमारे रणनीतिक दृष्टिकोण की पुष्टि करती है।

ईवी में विदेशी निवेश को बढ़ावा

सरकार ने घटाया आयात कर, 10000 करोड़ के वैश्विक राजस्व वाली कंपनियां होंगी पात्र

नईदिल्ली, एजेंसी। सरकार ने घरेलू ईवी उत्पादन में निवेश करने वाले विदेशी वाहन निर्माताओं के लिए आयात कर में भारी कमी करने का फैसला लिया है। ईवी की नई नीति को सोमवार को अधिसूचित कर दिया। योजना के तहत योग्यता और लाभ प्राप्त करने के लिए आवेदक के पास ऑटोमोटिव विनिर्माण से न्यूनतम 10,000 करोड़ रुपये का वैश्विक समूह राजस्व होना आवश्यक है। नई नीति के तहत आवेदन दाखिल करते समय वार्षिक वित्तीय विवरणों के आधार पर किसी कंपनी या उसके समूह की कंपनियों का अचल संपत्तियों में वैश्विक निवेश कम से कम 3,000 करोड़ रुपये होना चाहिए। नए संयंत्र, मशीनरी, उपकरण और इंजीनियरिंग अनुसंधान और विकास पर किया गया खर्च इस योजना के अंतर्गत निवेश से संबंधित लाभ लेने के लिए पात्र होगा। जमीन पर किए गए खर्च पर विचार नहीं होगा। हालांकि, मुख्य संयंत्र और उपयोगिताओं की नई इमारतों को निवेश का हिस्सा माना जाएगा, बशर्ते यह प्रतिबद्ध निवेश के 10 फीसदी से अधिक न हो।

आवेदकों को तीन साल के भीतर हासिल करना होगा- योजना के तहत आवेदकों के लिए अनुमोदन पत्र जारी करने की तिथि से तीन वर्षों के भीतर न्यूनतम 25 फीसदी घरेलू मूल्य संवर्धन (डीवीए) प्राप्त करना होगा। पांच वर्षों के भीतर न्यूनतम 50 फीसदी डीवीए प्राप्त करना होगा। चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर पर किया गया खर्च प्रतिबद्ध निवेश का 5 फीसदी तक माना जाएगा।

कंपनियों को भारतीय बैंकों की गारंटी से मिलेगा समर्थन- विनिर्माण संयंत्र लगाने, डीवीए की प्राप्ति और योजना के तहत निर्धारित शर्तों के अनुपालन के लिए आवेदक की प्रतिबद्धता को भारत में अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों से गारंटी द्वारा समर्थित किया जाएगा।

यह छोड़े जाने वाले कुल शुल्क के बराबर या 4,150 करोड़ रुपये, जो भी अधिक हो, के बराबर होगा। आवेदन आमंत्रित करने वाले नोटिस के जरिये आवेदन पाने की अवधि 120 दिन (या अधिक) की होगी। भारी उद्योग मंत्रालय को 15 मार्च, 2026 तक आवश्यकतानुसार आवेदन विंडो खोलने का अधिकार होगा।

बकार्डी की पहली मेड-इन-इंडिया व्हिस्की 'लीगेसी' को वर्ल्ड व्हिस्कीज़ अवार्ड्स 2025 में गोल्ड अवॉर्ड समेत अंतरराष्ट्रीय सम्मान मिला

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय प्रीमियम व्हिस्की सेगमेंट के लिए यह एक ऐतिहासिक पल है। बकार्डी की पहली मेड-इन-इंडिया प्रीमियम व्हिस्की 'लीगेसी' को प्रतिष्ठित वर्ल्ड व्हिस्कीज़ अवार्ड्स 2025 में ब्लेंडेड व्हिस्की कैटेगरी में गोल्ड अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। इस उपलब्धि के साथ न केवल भारत की शराब निर्माण क्षमता को वैश्विक मान्यता मिली है, बल्कि देश की प्रीमियम व्हिस्की को भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक नई पहचान हासिल हुई है। शानदार, आधुनिक और बारीकी से तैयार की गई लीगेसी सिर्फ एक नई व्हिस्की नहीं है, बल्कि यह भारत की युवा सोच, आत्मविश्वास और वैश्विक दृष्टिकोण की प्रतीक बन चुकी है। लीगेसी, जिसे भारत में तैयार किया गया है, साहसिक सोच और उम्दा गुणवत्ता का बेहतरीन मेल है। इसे भारतीय और स्कॉटिश माल्ट्स को भारतीय अनाजों के साथ मिलाकर तैयार किया गया है। इसका स्वाद खासा समृद्ध, संतुलित और स्मूद है, जो हर घूंट में एक प्रीमियम अनुभव देता है — यही वजह है कि यह व्हिस्की दुनियाभर के व्हिस्की प्रेमियों को लुभा रही है। इन अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों ने लीगेसी को न केवल वैश्विक मंच पर स्थापित किया है, बल्कि यह भी दिखाया है कि प्रीमियम व्हिस्की के क्षेत्र में बकार्डी की पकड़ लगातार मजबूत होती जा रही है। लॉन्च के तीन साल से भी कम समय में लीगेसी ने भारत में प्रीमियम व्हिस्की के क्षेत्र में अपनी खास जगह बना ली है। इसका स्मूद और संतुलित स्वाद इसे पूरे देश में तेजी से लोकप्रिय बना रहा है। लीगेसी सिर्फ एक व्हिस्की नहीं, बल्कि भारतीय कारीगरी और परंपरा का जश्न है — जो पुरानी विरासत को आधुनिक सोच और वैश्विक नज़रिये से जोड़ती है। वर्ल्ड व्हिस्कीज़ अवार्ड्स दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित और कठोर स्पर्धाओं में से एक मानी जाती है। हर साल इस प्रतियोगिता में स्पिरिट्स इंडस्ट्री के दिग्गज विशेषज्ञ, समीक्षक और टेस्टिंग एक्सपर्ट्स भाग लेते हैं, जो विभिन्न श्रेणियों की व्हिस्की को उनकी गुणवत्ता, खुशबू, स्वाद, जटिलता और फिनिश जैसे मानकों पर 100-पॉइंट स्केल के आधार पर परखते हैं।

पैपराजी के इस सवाल को सुन

चौंक गईं बिग बॉस फेम एक्ट्रेस माहिरा शर्मा

अभिनेत्री माहिरा शर्मा का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसमें पैपराजी उनसे कुछ पूछ रहे हैं, उनके सवालों को सुन चौंकती दिख रही हैं अभिनेत्री। वहीं, इस पोस्ट पर नेटिजंस की भी प्रतिक्रियाएं आ रही हैं और लोग उन्हें सीख दे रहे हैं। आइए जानते हैं क्या हुआ ऐसा।

किस सवाल पर चौंकी माहिरा शर्मा?

सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है। इस वीडियो में अभिनेत्री माहिरा शर्मा को मुंबई एयरपोर्ट पर देखा जा सकता है। एक्ट्रेस ब्लैक जींस के साथ ग्रे कलर की टॉप में बेहद सादे और खूबसूरत अंदाज में दिख रही हैं। वायरल वीडियो में पैपराजी एक्ट्रेस से मराठी भाषा में सामने देखने के लिए कहते हैं, जिसे ना समझ पाने के कारण अभिनेत्री चौंक जाती हैं और उन्हें शर्माते हुए भी देखा जाता है। ये रिएक्शन देख पैपराजी पूछते हैं कि आपको मराठी नहीं आती, तो इसके जवाब में माहिरा शर्मा कहती हैं कि आती है।

नेटिजंस ने दी प्रतिक्रियाएं

अभिनेत्री के इस वीडियो के वायरल होने पर नेटिजंस तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट किया कि अरे यार। दूसरे यूजर ने लिखा, सीख लो मराठी। वहीं, अन्य यूजर ये वीडियो देख हंस रहे हैं। इसके अलावा कुछ यूजर्स उनके लुक की तारीफ भी कर रहे हैं।

माहिरा शर्मा के बारे में

माहिरा शर्मा को 'बिग बॉस 13' में बतौर प्रतियोगी के रूप में खास पहचान मिली। हालांकि, इससे पहले वह कई टीवी शो का हिस्सा रह चुकी हैं। अभिनेत्री तारक मेहता का उल्टा चश्मा, नागिन 3, कुंडली भाग्य, बेपनाह प्यार, जैसे चर्चित धारावाहिकों में नजर आ चुकी हैं। इसके अलावा उन्होंने कई म्यूजिक वीडियो में भी काम किया है। इतना ही नहीं अभिनेत्री का नाम भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद सिराज के साथ भी जोड़ा गया था। हालांकि, इन्हें अफवाह कहा गया था।

क्रिमिनल जस्टिसः ए फैमिली मैटर में खुशी भारद्वाज एस्परगर सिंड्रोम से पीड़ित इरा की चुनौतीपूर्ण भूमिका में

अप्लॉज एंटरटेनमेंट और डिज्नी+ हॉटस्टार की बहुप्रतीक्षित सीरीज क्रिमिनल जस्टिस के चौथे सीजन, जिसका शीर्षक क्रिमिनल जस्टिस- ए फैमिली मैटर है, के प्रीमियर के बाद से ही दर्शकों में खासी चर्चा है। इस सीजन में युवा अभिनेत्री खुशी भारद्वाज ने अपने अभिनय से सभी का ध्यान खींचा है। खुशी ने इरा की एक बेहद चुनौतीपूर्ण भूमिका निभाई है, जो सुरवीन चावला और मोहम्मद जीशान अय्यूब द्वारा अभिनीत किरदारों की बेटी है, और एक हाई-प्रोफाइल हत्या के रहस्य में प्रमुख संदिग्धों में से एक है। इरा के किरदार की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि वह एस्परगर सिंड्रोम से जूझ रही है। इस जटिल किरदार को निभाने और अपने ऑडिशन के बारे में बात करते हुए खुशी भारद्वाज ने कहा, ईमानदारी से कहूं तो, इस किरदार को निभाना एक सपने जैसा लगा, ऐसी सफल फ्रेंचाइजी का हिस्सा बनना अविश्वसनीय था। इंडस्ट्री के सबसे प्रतिभाशाली अभिनेताओं में से एक के साथ काम करना सम्मान की बात थी। एस्परगर सिंड्रोम से पीड़ित किरदार को चित्रित करने की चुनौती पर उन्होंने कहा कि वे शुरू में इस भूमिका के लिए ऑडिशन देने को लेकर थोड़ी अनिश्चित थीं, खासकर जब उनकी 10वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षाएं उसी समय हो रही थीं। खुशी ने इस किरदार को प्रामाणिक रूप से निभाने के लिए गहन शोध किया।

नई फिल्म की तैयारी में लगे सोनू सूद

अभिनेता सोनू सूद हाल ही में भगवान वेंकटेश्वर मंदिर में पहुंचे हैं। यहां उन्होंने मीडिया से बात करते हुए अपनी अपकमिंग फिल्म के बारे में बताया है। इससे पहले सोनू सूद को मिस वर्ल्ड के इवेंट में सम्मानित किया गया था। बॉलीवुड अभिनेता सोनू सूद ने सोमवार सुबह तिरुमाला में भगवान वेंकटेश्वर मंदिर में पूजा-अर्चना की। भगवान विष्णु के अवतार माने जाने वाले भगवान वेंकटेश्वर को समर्पित यह मंदिर भारत में सबसे अधिक देखे जाने वाले धार्मिक स्थलों में से एक है। यहां हर साल लाखों श्रद्धालु आते हैं। मंदिर में पूजा-अर्चना करने के बाद एएनआई से बात करते हुए फतेह अभिनेता ने अपनी अपकमिंग फिल्म के बारे में जानकारी दी।

अगली फिल्म में नजर आएंगे सोनू सूद

सोनू सूद ने मीडिया से कहा आज से 25 साल पहले मैं यहां आया था। आज, मैं अपने परिवार के साथ यहां आया हूं। मैं दुनिया में सभी के लिए खुशी, शांति और तरक्की की प्रार्थना करता हूं। हम एक नई फिल्म नंदी शुरू कर रहे हैं। इसमें मैं अभिनय और निर्देशन दोनों कर रहा हूं। यह जल्द ही शुरू होगी।

ताज से जज तक का सफर

मानुषी की मिस वर्ल्ड स्टेज पर भावनात्मक वापसी

मिस वर्ल्ड 2017 का ताज जीतने वाली मानुषी छिल्लर ने 31 मई 2025 को हैदराबाद में संपन्न हुई 72वीं मिस वर्ल्ड 2025 प्रतियोगिता में एक जज के रूप में भावनात्मक वापसी की। यह उनके लिए एक फुल सर्कल मोमेंट था, क्योंकि जिस मंच ने उन्हें वैश्विक पहचान दी थी, अब उसी मंच पर वह विजेताओं को चुनने वाले प्रतिष्ठित पैनल का हिस्सा थीं। एक प्रतियोगी से जज बनने तक का प्रेरणादायी सफरः

मानुषी छिल्लर के लिए यह वापसी बेहद खास और भावनात्मक थी। उन्होंने 2017 में चीन में मिस वर्ल्ड का ताज जीता था, और अब, कुछ साल बाद, वह उसी पैनल के विपरीत पक्ष में बैठी थीं जिसने कभी उनके भाग्य का फैसला किया था। मानुषी ने इंस्टाग्राम पर इस अनुभव को सम्मानित बताया। यह भूमिका न केवल उनकी पेशेवर पहचान को दर्शाती है, बल्कि एक प्रतियोगी से एक सफल अभिनेत्री और सार्वजनिक व्यक्ति बनने तक के उनके प्रेरणादायी सफर का भी प्रमाण है।

जिस ताज ने कभी उनकी जिंदगी बदल दी थी, उसी ताज को किसी और युवती के सिर पर सजा देखना और उस निर्णय में भागीदार होना, उनके लिए एक गहरा भावनात्मक अनुभव था। भारत में आयोजित प्रतियोगिता में एक जज के रूप में मानुषी की उपस्थिति ने इस आयोजन को और भी महत्वपूर्ण बना दिया। यह दर्शाता है कि पूर्व मिस वर्ल्ड

विजेता किस प्रकार संगठन के महिलाओं को सशक्त बनाने और वैश्विक मंच पर उपलब्धियों का उत्सव मनाने के मिशन में अब भी सक्रिय रूप से योगदान दे रही हैं। यह उनके व्यक्तिगत और पेशेवर विकास के साथ-साथ मिस वर्ल्ड संगठन के मूल्यों के प्रति उनकी निरंतर प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है।

यंग फिट इंडिया आइकॉन नियुक्त होने पर शरवरी वाघ बोलीं, 'मुझे गर्व है'

अभिनेत्री शरवरी वाघ को युवा मामले और खेल मंत्रालय ने यंग फिट इंडिया आइकॉन के तौर पर नियुक्त किया है। इसके लिए अभिनेत्री ने आभार व्यक्त करते हुए कहा, मुझे इसका हिस्सा बनने पर गर्व है। अभिनेत्री ने बताया कि 'संडे ऑन साइकिल' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फिट इंडिया मूवमेंट पहल का विस्तार है।

आयोजन के 25वें संस्करण में शरवरी को खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया के नेतृत्व में आधिकारिक रूप से यंग फिट इंडिया आइकॉन के रूप में नियुक्त किया गया। यंग फिट इंडिया आइकॉन के रूप में नियुक्त किए जाने पर अपनी खुशी व्यक्त करते हुए, शरवरी ने कहा, युवा मामले और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने यंग फिट इंडिया आइकॉन के तौर पर नियुक्त किया है, जो मेरे लिए सम्मान की बात है। उन्होंने कहा, इस अद्भुत पहल संडे ऑन साइकिल का हिस्सा बनना रोमांचक है, जो साइकिल चलाने के जरिए फिटनेस और पर्यावरण संरक्षण को लेकर जागरूकता है। यह प्रधानमंत्री मोदी के फिट इंडिया मूवमेंट पहल का एक विस्तार है और मुझे इसमें भाग लेने और अपना योगदान देने पर गर्व है। बता दें, राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली के मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम में रविवार को फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

मैं नर्वस होता था...

विराट कोहली ने शादी के 8 साल अनुष्का शर्मा को बताया

विराट कोहली और अनुष्का शर्मा कपल गोल्स को पूरा करने में कभी असफल नहीं होते. चाहे स्प्रीचुअसल जर्नी हो या वेकेशन्स, फैंस को उनकी बॉन्डिंग बहुत पसंद है और वे हमेशा ही दोनों पर नजरें रखते हैं. यह तो बताने की जरूरत ही नहीं कि वे एक-दूसरे के सबसे बड़े चीयरलीडर भी हैं. वे तब से डेटिंग कर रहे थे जब वे एक शैम्पू ब्रांड के विज्ञापन की शूटिंग के दौरान एक-दूसरे से मिले थे. तब से, उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा. हालांकि, एक नए वीडियो में, विराट ने उल्लेख किया है कि जब उन्होंने अनुष्का को डेट करना शुरू किया तो वे काफी नर्वस थे.

इंटरनेट पर छा गए विरुष्का

एक नए वीडियो में दोनों को छुट्टियों का आनंद लेते देखा जा सकता है, जो कि पर्यटन के लिए एक विज्ञापन है. वीडियो में कपल को रोमांटिक होते हुए पूल साइड के नजारे का आनंद लेते देखा जा सकता है. अनुष्का विराट को यह कहकर चिढ़ाती हैं, 'मेरा नजारा खूबसूरत है.'

एड में फिर मिला दोनों को कपल गोल को पूरा करने का मौका

दुबई के बीच पर पैराग्लाइडिंग करके चीजों को एक पायदान ऊपर ले जाने का फैसला करने से पहले उनका रोमांच एक शानदार लंच के साथ जारी रहता है. फिर दोनों समुद्र तट पर एक अचानक डांस सेशन में शामिल होते हैं, जिसमें आसपास के लोग भी शामिल होते हैं. जैसे ही सूरज डूबता है, कपल सितारों के नीचे एक रोमांटिक डेजर्ट डिनर के लिए निकल जाता है. बाद में, कैम्प फायर की रोशनी में, विराट खुद को एक दिल को छू लेने वाली बात कहने से नहीं रोक पाते हैं जिसे अनुष्का प्यार से चीजी कहती हैं. साथ में एक शांत पल के दौरान, उनका ध्यान पास में मौजूद एक दूसरे कपल पर जाता है. एक्साइटमेंट से वे सोचने लगते हैं कि क्या ये दोनों सिर्फ दोस्त हैं या कुछ और. लड़के के व्यवहार को देखते हुए, विराट पूरे कॉन्फिडेंट से कहते हैं कि वे डेटिंग कर रहे हैं और लड़के की स्पष्ट घबराहट की ओर इशारा करते हैं. इसी बीच वे अपने पुराने दिनों को करते हुए शेयर करते हैं कि वो 'वो नर्वस है, मैं भी होता था.'

फिर थिएटर में अपनी आंखों की मस्ती दिखाएंगी रेखा

बॉलीवुड की कई हिट और यादगार फिल्में फिर से थिएटर में रिलीज की जा रही हैं। अब इसी कड़ी में रेखा की ब्लॉकबस्टर फिल्म भी री-रिलीज होने जा रही है। वेटरन एक्ट्रेस रेखा की कल्ट फिल्म 'उमराव जान' अगर आपने अभी तक नहीं देखी है, तो अब आप इसे सिनेमाघरों में बेहतर क्वालिटी में देख सकते हैं। जी हां, सही सुना आपने। 1981 में आई रेखा और फारुख शेख की सुपरहिट फिल्म 'उमराव जान' एक बार फिर सिनेमाघरों में री-रिलीज होने जा रही है। ऐसे में अब एक बार फिर रेखा की आंखों की मस्ती आपको सिनेमाघरों में देखने को मिलेगी।

27 जून को होगी री-रिलीज

मुजफ्फर अली द्वारा निर्देशित बॉलीवुड की कल्ट फिल्म 'उमराव जान' 27 जून को सिनेमाघरों में फिर से रिलीज होने जा रही है। फिल्म को 4के में अच्छे से रीस्टोर किया गया है। ताकि फिल्म की क्वालिटी और प्रिंट बेहतर हो सके।

फिल्म के री-रिलीज का जश्न मनाने के लिए निर्देशक मुजफ्फर अली एक लिमिटेड एडीशन वाली कॉफी टेबल बुक भी लॉन्च कर रहे हैं, जो उमराव जान की मेकिंग के बीटीएस दिखाती है।

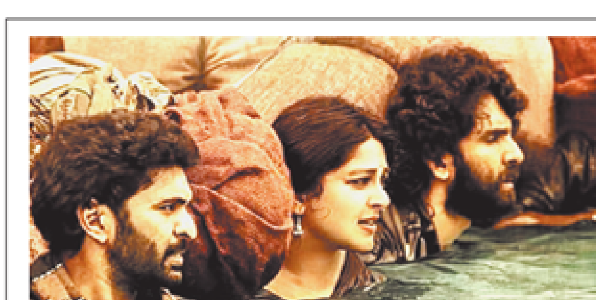

घाटी की नई रिलीज डेट तय

फिल्म मेकर्स ने आज सोशल मीडिया पर फिल्म घाटी का एक नया पोस्टर शेयर किया है। इसके साथ ही उन्होंने फिल्म की नई रिलीज डेट की भी घोषणा कर दी है। जानिए कब देख सकेंगे बहुबली फेम एक्ट्रेस अनुष्का शेट्टी की फिल्म घाटी। अनुष्का शेट्टी की फिल्म घाटी के साथ बड़े पर्दे पर शानदार वापसी करने जा रही हैं। यह फिल्म कृष जगरलामुडी द्वारा निर्देशित है और अब 11 जुलाई 2025 को रिलीज होगी। पहले इस फिल्म को 18 अप्रैल 2025 में रिलीज किया जा रहा था। निर्माताओं ने नई रिलीज डेट की घोषणा के साथ एक शोनादार पोस्टर भी शेयर किया है, जो फिल्म के दमदार अंदाज को दर्शाता है। यह फिल्म पूरे भारत में रिलीज की जाएगी। इस पोस्टर में एक नदी में सभी स्टार्स किसी को सामने घूरते नजर आ रहे हैं, जैसे वह सभी किसी खास मिशन पर गए हों। घाटी में अनुष्का एक साहसी और देहाती किरदार निभा रही हैं, जो एक मारिजुआना व्यापारी है। जो बाद में अपराध की दुनिया में उतरकर एक ताकतवर शख्सियत बन जाती है। फिल्म में बहुबली फेम अनुष्का शेट्टी के अलावा तमिल अभिनेता विक्रम प्रभु भी महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आएंगे। यूवी क्रिएशन्स और फर्स्ट फ्रेम एंटरटेनमेंट्स द्वारा निर्मित इस फिल्म का संगीत विद्या सागर ने तैयार किया है।

सी-सेक्शन डिलीवरी पर Suneil Shetty के बयान से भड़की Gauahar Khan

बॉलीवुड के फेमस एक्टर सुनील शेट्टी) ने बेटी अथिया की डिलीवरी के बाद कहा था कि सी-सेक्शन आसान होता है लेकिन अथिया ने ये रास्ता नहीं चुना और उसने अपनी नॉर्मल डिलीवरी ही करवाई. वहीं अब सुनील शेट्टी के इस बयान पर टीवी की फेमस एक्ट्रेस गौहर खान ने रिएक्ट किया है. बता दें कि एक्ट्रेस गौहर खान ने हाल ही में अपना यूट्यूब पॉडकास्ट चैनल लॉन्च किया है, जिसमें वह अपनी लाइफ की जर्नी के बारे में बात करती नजर आई. इस दौरान गौहर खान इमोशनल भी हुई और साथ ही सुनील शेट्टी पर भी जमकर निशाना साधा और साथ ही सुनील शेट्टी के बयान को असंवेदनशील बताया. एक्ट्रेस गौहर खान ने अपने इंटरव्यू में सुनील शेट्टी को ताना मारते हुए कहा, मैं अपनी पूरी आवाज में चिल्लाकर कहना चाहती हूं कि आप ऐसे कैसे ये बात कह सकते हैं? कैसे? इस विषय को लेकर बहुत सारे मिथ है कि अगर कोई सी-सेक्शन करवा रहा है तो यह आसान विकल्प है. इतनी गलत जानकारी कैसे हो सकती है? एक मेल सेलेब्रिटी के लिए ऐसा कहना, जो प्रेग्नेंसी से नहीं गुजरा, जिसने बच्चे को जन्म नहीं दिया, उसे नहीं पता कि सी-सेक्शन कितना दर्दनाक होता है.

-साभार-एजेंसी

कबड्डी वर्ल्ड कप कैंप में हिमाचल प्रदेश की पांच बेटियां

धर्मशाला, एजेंसी। भारत में होने वाले महिला कबड्डी विश्व कप के लिए भारतीय टीम के चयन के अंतिम कैंप में सूबे की पांच खिलाड़ी भाग लेंगी। इसमें कबड्डी खिलाड़ी ज्योति ठाकुर, पुष्पा राणा, भावना, चंपा और साक्षी शामिल हैं। इससे पहले 10 से 30 मई तक आयोजित इंडिया कैंप में सूबे की खिलाड़ियों ने भाग लिया था। इस दौरान उन्होंने कैंप में अन्य खिलाड़ियों के साथ तालमेल के साथ प्रतिभा का प्रदर्शन भी किया। इसके बाद टीम का चयन होना था। लेकिन महिला कबड्डी विश्व कप की तारीख आगे होने के कारण टीम का चयन नहीं हुआ था। पहले बिहार में 1 से 10 जून तक विश्व कप की तिथि प्रस्तावित थी। अब जब विश्व कप की तिथि घोषित होगी उसके बाद भारतीय टीम का चयन किया जाएगा। बताया जा रहा है कि अब विश्व कप जुलाई में शुरू हो सकता है। इसके लिए जून के अंतिम सप्ताह में भारतीय महिला टीम का चयन भी किया जाएगा। इसके कुछ दिन पहले भारतीय कबड्डी संघ की ओर से इंडिया कैंप का आयोजन कर टीम का चयन किया जाएगा। इससे पहले भी एशियन कबड्डी चैंपियनशिप में भी सूबे की चार खिलाड़ी भारतीय टीम का हिस्सा रही हैं। उन्होंने देश के लिए स्वर्ण पदक हासिल किया था। साई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस धर्मशाला की कबड्डी कोच पूजा ठाकुर ने कहा कि भारत में होने वाले कबड्डी विश्व कप में सूबे की चार से पांच खिलाड़ी भारतीय टीम में खेल सकती हैं। अब फाइनल इंडिया कैंप में भी पुष्पा राणा, ज्योति ठाकुर, भावना, चंबा और साक्षी भाग लेंगी।

राष्ट्रीय सब जूनियर कोर्फबाल के लिए 20 खिलाड़ी चयनित

अंडर-15 वर्ग की राष्ट्रीय सब जूनियर कोर्फबाल प्रतियोगिता के लिए पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला सरकाघाट में ट्रायल हुआ। इसमें हमीरपुर, बिलासपुर, कांगड़ा, कुल्लू, मंडी और शिमला जिले के 35 खिलाड़ियों ने भाग लिया। खिलाड़ियों के अच्छे प्रदर्शन के आधार पर 10 लड़के और 10 लड़कियों सहित 20 खिलाड़ियों का चयन किया गया। चयनित खिलाड़ियों के लिए कोचिंग कैंप बिलासपुर जिला में 14 से 20 जुलाई तक लगेगा। कैंप में अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों में से 7 लड़के और 7 लड़कियों सहित 14 खिलाड़ियों की टीम राष्ट्रीय सब जूनियर प्रतियोगिता में प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेगी। प्रतियोगिता स्थल के लिए हिमाचल प्रदेश की टीम 20 जुलाई को रवाना होगी। खिल भारतीय कोर्फबाल संघ के उपाध्यक्ष एवं प्रदेश महासचिव बीआर सुमन ने बताया कि राष्ट्रीय प्रतियोगिता 24 से 27 जुलाई को तमिलनाडु के चेन्नई में होगी।

इंडोनेशिया ओपनः

पीवी सिंधु ने नोजोमी ओकुहारा को हराया, लक्ष्य सेन बाहर

जकार्ता, एजेंसी। दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट पीवी सिंधु ने इंडोनेशिया ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जगह बना ली है। वहीं, लक्ष्य सेन मंगलवार को पहले दौर के कड़े मुकाबले में हारकर बाहर हो गए। सिंधु ने एक घंटे 19 मिनट तक चले महिला सिंगल्स मैच में चिर प्रतिद्वंद्वी जापान की नोजोमी ओकुहारा को 22-20, 21-23, 21-15 से मात दी। पीवी सिंधु और नोजोमी ओकुहारा के बीच कड़ी टक्कर हुई। इस दौरान कई गेम और मैच प्वाइंट शामिल थे।

शुरुआती गेम में भारतीय शटलर ने दमखम दिखाया। सिंधु ने एक गेम प्वाइंट बचाया और आक्रामक शॉट लगाकर 22-20 से मैच अपने नाम किया। दूसरे गेम में सिंधु ने शुरुआती बढ़त हासिल की, लेकिन इंटरवल तक वह 7-11 से पीछे चल रही थीं। इसके बाद उन्होंने जोरदार वापसी की और पावरफुल क्रॉस-कोर्ट स्मैश के साथ दो मैच प्वाइंट जुटाए, लेकिन बार-बार की गई सिंधु की गलतियों ने ओकुहारा को 20-20 से बराबरी पर ला दिया और जापानी शटलर ने आखिरकार गेम 23-21 से अपने नाम कर लिया। निर्णायक गेम में दोनों खिलाड़ियों ने गैर-जरूरी जोखिम से बचते हुए सतर्क रुख अपनाया। सिंधु ब्रेक के समय 11-9 से आगे थीं। इसके बाद उन्होंने अपनी लय हासिल की, लगातार जीत हासिल करते हुए 20-12 से आगे निकल गईं। उन्होंने आठ मैच प्वाइंट जुटाए और पांचवें को गोल में बदलकर जीत सुनिश्चित करते हुए राउंड ऑफ 16 में प्रवेश किया।

मैच के बाद सिंधु ने 14 साल में ओकुहारा के साथ अपने पिछले मुकाबलों को याद किया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, 14 साल, 20 मैच। मेरे सबसे लंबे से लेकर सबसे छोटे वर्ल्ड चैंपियनशिप फाइनल तक, हमेशा उनके साथ। हमने जीत, हार और एक प्रतिद्वंद्विता साझा की है, जिसे केवल हम ही समझते हैं। लड़ते रहो, नोजोमी। आपके बिना कोर्ट कभी भी वैसा नहीं रहता। इस बीच वर्ल्ड चैंपियनशिप-2021 के सिल्वर मेडलिस्ट लक्ष्य सेन ने चीन के विश्व नंबर 1 शि यू क्यू के खिलाफ अच्छा मुकाबला खेला, लेकिन आखिरकार एक घंटे और पांच मिनट तक चले पहले दौर के पुरुष सिंगल्स मैच में 11-21, 22-20, 15-21 से हार गए। 23 वर्षीय शटलर ने पीठ की चोट से उबरकर मजबूत वापसी की।

इस चोट ने उन्हें पिछले हफ्ते मलेशिया हुए टूर्नामेंट से बाहर कर दिया था। सेन ने दूसरे गेम में 17-11 से पिछड़ने के बाद वापसी की। एक मैच प्वाइंट बचाया और गेम को 22-20 से निर्णायक बना दिया, लेकिन सेन की यह लय बरकरार नहीं रही और विश्व की नंबर एक खिलाड़ी शि यू की ने तीसरे गेम में कंट्रोल हासिल करते हुए मैच को अपने नाम कर लिया।

नॉर्वे चेसः अर्जुन को हराकर नंबर-2 पर आए गुकेश

नई दिल्ली, एजेंसी। वर्ल्ड चैंपियन डी गुकेश नॉर्वे चेस टूर्नामेंट में दूसरे नंबर पर आ गए हैं। उन्होंने 7वें दौरे में हमवतन अर्जुन एरिगैसी को हराया। 19 साल के गुकेश ने अर्जुन को पहली बार क्लासिकल चेज में हराया है। गुकेश की टूर्नामेंट में यह लगातार दूसरी जीत है। उन्होंने पिछले

राउंड में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन को हराया था। संघर्षपूर्ण मुकाबले में मिली इस जीत से गुकेश ने एरिगैसी से दूसरे राउंड में मिली हार का बदला चुकता भी किया। पिछले चैंपियन कार्लसन को पीछे छोड़ा गुकेश के अब 11.5 अंक हो गए हैं। उन्होंने नॉर्वे के गत चैंपियन कार्लसन को पीछे छोड़कर दूसरा स्थान हासिल कर लिया है। अमेरिकी ग्रैंडमास्टर फैबियानो कारूआना 12.5 अंक लेकर टॉप पर हैं। उन्होंने चीन के वेई यी को हराया। कार्लसन एक अन्य अमेरिकी ग्रैंडमास्टर और वर्ल्ड नंबर-2 के खिलाड़ी हिकारू नाकामुरा के खिलाफ आर्मागेडन में जीत के बाद 11 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर हैं। नाकामुरा 8.5 अंकों के साथ चौथे स्थान पर हैं। वर्ल्ड नंबर-1 मैग्नस कार्लसन ने अमेरिका हिकारू नाकामुरा पर जीत दर्ज की। वे तीसरे स्थान पर हैं।

भारत में हुआ जन्म, फिर छोड़ा देश, अब न्यूजीलैंड ने दिया सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने 2025-26 के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट का ऐलान कर दिया है. इस सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में कई नए चेहरे भी देखने को मिले हैं. इसमें भारतीय मूल के खिलाड़ी आदि अशोक भी शामिल हैं. आदि अशोक न्यूजीलैंड की ओर से अपना इंटरनेशनल डेब्यू कर चुके हैं. उन्होंने न्यूजीलैंड के लिए अभी तक सिर्फ 3 ही इंटरनेशनल मुकाबले खेले हैं. इस युवा खिलाड़ी ने न्यूजीलैंड टीम की ओर से अभी तक दो वनडे और एक टी20 मैच खेला है.

आदि अशोक ने दो वनडे मैच में 10 रन बनाए हैं जबकि उन्होंने एक विकेट भी झटका है. टी20 फॉर्मेट की बात की जाए तो इस युवा खिलाड़ी ने एक मैच में 28 के औसत से एक विकेट झटका है. न्यूजीलैंड ने इस साल के कॉन्ट्रैक्ट में 4 नए प्लेयर्स को शामिल किया गया है. आदि अशोक के अलावा इस सूची में मिच हे, मुहम्मद अब्बास और जक फोल्क्स भी शामिल हैं. इस बार की 20 खिलाड़ियों की सूची में पिछले सीजन के चार कॉन्ट्रैक्ट खिलाड़ी टिम साउदी, ईश सोढ़ी, एजाज पटेल और जोश क्लार्कसन शामिल नहीं हैं.

2025-26 के लिए न्यूजीलैंड की सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट सूची

मुहम्मद अब्बास, आदि अशोक, टॉम ब्लंडेल, माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, जैकब डफी, जक फोल्क्स, मिच हे, मैट हेनरी, काइल जैमीसन, टॉम लैथम, डेरिल मिचेल, हेनरी निकोल्स, विलियम ओरूर्क, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, मिचेल सैंटनर, बेन सीयर्स, नाथन स्मिथ, विल यंग.

आदि अशोक ने किया बड़ा खुलासा

युवा स्पिनर आदि अशोक ने कहा, 'मेरा परिवार न्यूजीलैंड तब आ गया था जब मैं 4 साल का था. तब से ही मैं न्यूजीलैंड को अपना घर बोल रहा हूं. मेरा हमेशा से यह सपना रहा है कि मैं इंटरनेशनल क्रिकेट में न्यूजीलैंड की ओर से भाग लूं.' भारतीय मूल आदि अशोक को 2023 में डेब्यू के बाद पहली बार टीम में वापसी मिली है. वहीं मिच हे और मुहम्मद अब्बास ने अपने इंटरनेशनल करियर की शुरुआत शानदार प्रदर्शन से की. हे ने नवंबर में श्रीलंका दौरे पर टी20 डेब्यू के दौरान छह शिकार करके विकेटकीपिंग का वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया, वहीं अब्बास ने पाकिस्तान के खिलाफ वनडे डेब्यू पर महज 26 गेंदों में 52 रन ठोक कर इतिहास रच दिया था.

वैभव सूर्यवंशी को मिलेगा IPL का बड़ा अवॉर्ड?

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2025 का अब अंत होने जा रहा है. इस सीजन में कई युवा खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया. हालांकि, बिहार के 14 साल के सनसनीखेज बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से सभी का ध्यान खींचा, वह इस बार सबसे ज्यादा सुर्खियों में रहे. राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलने वाले वैभव अब आईपीएल 2025 के जमकर रन बनाए. वह बड़े-बड़े गेंदबाजों पर भारी पड़े. अब वह आईपीएल का एक बड़ा अवॉर्ड जीतने की रेस में भी हैं.

बिहार के समस्तीपुर जिले के ताजपुर गांव में 27 मार्च 2011 को जन्मे वैभव सूर्यवंशी ने क्रिकेट की दुनिया में तहलका मचा दिया है. सिर्फ 14 साल की उम्र में, वैभव ने न केवल आईपीएल में सबसे कम उम्र में डेब्यू करने का रिकॉर्ड बनाया, बल्कि टी20 क्रिकेट में सबसे कम उम्र में शतक लगाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड भी अपने नाम किया. 19 अप्रैल 2025 को, लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में 14 साल और 23 दिन की उम्र में डेब्यू करते हुए, वैभव ने पहली ही गेंद पर छक्का जड़कर

अपनी आक्रामक शैली का परिचय दिया.

इसके बाद, 28 अप्रैल 2025 को गुजरात टाइटंस के खिलाफ वैभव ने 38 गेंदों में 101 रनों की तूफानी पारी खेली, जिसमें 11 छक्के और 7 चौके शामिल थे. यह शतक केवल 35 गेंदों में आया, जो आईपीएल में क्रिस गेल के 30 गेंदों के शतक के बाद दूसरा सबसे तेज शतक है और किसी भारतीय की ओर से सबसे तेज शतक है. इस पारी ने वैभव को रातोंरात स्टार बना दिया और सोशल मीडिया पर उनकी तारीफों के पुल बांधे गए. वह अब आईपीएल का इमर्जिंग प्लेयर अवॉर्ड जीतने के सबसे बड़े दावेदारों में से एक हैं.

● किसे दिया जाता है इमर्जिंग प्लेयर अवॉर्ड?

आईपीएल का इमर्जिंग प्लेयर अवॉर्ड उन युवा खिलाड़ियों को दिया जाता है, जिनका जन्म 1 अप्रैल 1999 या उसके बाद हुआ हो, 5 टेस्ट या 20 वनडे से ज्यादा न खेले हों, सीजन शुरू होने से पहले 25 से कम आईपीएल मैच खेले हों और पहले यह अवॉर्ड न जीता हो. वैभव इन सभी मानदंडों पर खरे उतरते हैं. इस सीजन में उन्होंने 7 पारियों में 252 रन बनाए, जिसमें एक शतक और एक अर्धशतक शामिल है, और उनका स्ट्राइक रेट 206.55 रहा. हालांकि, इस अवॉर्ड की रेस में एक बड़ा नाम साई सुदर्शन का भी है. उन्होंने इस सीजन 15 मैचों में 759 रन बनाए हैं और वह ऑरेंज कैप जीतने की रेस में भी सबसे आगे हैं.

आखिरी गेंद पर बल्लेबाज हो गया रनआउट फिर भी जीत गई टीम, हुआ करिश्मा

नई दिल्ली, एजेंसी। आईसीसी क्रिकेट वर्ल्ड कप लीग 2 2023-27 के शानदार मैच में नेपाल ने स्कॉटलैंड को 1 विकेट से हराया. इस मैच में नेपाल की ओर से बेहतरीन खिलाड़ी करण के.सी. ने धमाकेदार ऑलराउंड प्रदर्शन करते हुए अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई. करण के.सी. ने सिर्फ बल्ले से ही नहीं बल्कि गेंदबाजी से भी फैंस का दिल जीत लिया. वहीं मैच की आखिरी गेंद पर कुछ ऐसा हुआ जिसको देख सभी फैंस हैरान रह गए.

आखिरी गेंद पर नेपाल ने जीता मैच

बता दें कि, आखिरी गेंद पर नेपाल को 1 रन की जरूरत थी. स्कॉटलैंड के स्पिनर मार्क वॉट ने वाइड गेंद फेंकी जिसपर नेपाल का बल्लेबाज रनआउट तो हो गए लेकिन अंपायर का फैसला देखने के बाद नेपाल टीम उत्साहित हो गई. अंपायर ने वाइड का फैसला दिया और नेपाल ने मुकाबले को 1 विकेट से जीता क्यूंकि उन्हें 1 रन की ही जरूरत थी जो उन्हें वाइड से मिल गया.

करण के.सी. ने की बेहतरीन गेंदबाजी

इस मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए स्कॉटलैंड ने 50 ओवर में 7 विकेट खोकर 296 रन बनाए. टीम की ओर से सलामी बल्लेबाज चार्ली टीयर ने 80 रन की पारी खेली जबकि फिनले मैक्रेथ ने 55 रन का योगदान दिया. चार्ली टीयर ने अपनी 80 रन की पारी के दौरान 12 चौके और एक छक्का जड़ा. कप्तान रिची बैरिंगटन ने 40 रन बनाए. नेपाल की ओर से करण के.सी. ने घातक गेंदबाजी करते हुए 10 ओवर में 43 रन देकर दो विकेट हासिल किए. उन्होंने इस मैच में स्कॉटलैंड के कप्तान रिची बैरिंगटन को आउट किया जबकि चार्ली टीयर को भी नेपाल के गेंदबाज ने वापस पवेलियन की राह दिखाई.

करण के.सी. ने बल्ले से भी दिखाया कमाल

लक्ष्य का पीछा करने उतरी नेपाल टीम ने एक समय 192 रन पर 7 विकेट खो दिए थे. हालांकि, करण के.सी. ने गेंद के साथ-साथ बल्ले से भी कमाल दिखाया और अपनी टीम के लिए 41 गेंद पर 3 चौके और 4 छक्कों की मदद से 65* रन की बहुमूल्य पारी खेली. करण के.सी. ने पहले गुलशन झा के साथ आठवें विकेट के लिए 60 रन की साझेदारी की. गुलशन झा ने इस मैच में 42 रन का योगदान दिया. इसके अलावा उन्होंने संदीप लामिछाने के साथ मिलकर 9वें विकेट के लिए 38 रन जोड़े. करण ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए फैंस का दिल जीत लिया. नेपाल की ओर से कुशल भूर्तल ने 53 रन की पारी खेली जबकि कप्तान रोहित पौडेल ने 37 रन बनाए.

अब 5 जुलाई को होगा नीरज चोपड़ा क्लासिक इवेंट

दुनिया के 12 बड़े खिलाड़ी फेंकेंगे भाला

नई दिल्ली, एजेंसी। नीरज चोपड़ा क्लासिक अंतरराष्ट्रीय भाला फेंक प्रतियोगिता अब 5 जुलाई को बेंगलुरु में आयोजित की जाएगी. आयोजकों ने मंगलवार को यह घोषणा की. भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष के कारण पिछले महीने इस इवेंट को स्थगित कर दिया गया था. भारत में पहली बार किसी अंतरराष्ट्रीय भाला फेंक प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है. पहले यह प्रतियोगिता 24 मई को आयोजित की जानी थी. इस प्रतियोगिता का आयोजन ओलंपिक में दो पदक जीतने वाले चोपड़ा द्वारा जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के सहयोग से किया जा रहा है. इसे भारतीय एथलेटिक्स

महासंघ (एएफआई) से मंजूरी मिली हुई है. श्री कांतीरवा स्टेडियम में आयोजित की जाने वाली इस प्रतियोगिता में 12 खिलाड़ी भाग लेंगे. इनमें दुनिया के 7 सर्वश्रेष्ठ भाला फेंक खिलाड़ी और चोपड़ा सहित 5 भारतीय खिलाड़ी शामिल हैं. चोपड़ा के अलावा इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले अन्य भारतीय खिलाड़ी एशियाई चैम्पियनशिप के रजत पदक विजेता सचिन यादव, किशोर जेना, रोहित यादव और साहिल सिलवाल हैं. इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले विदेशी खिलाड़ियों में दो बार के विश्व चैम्पियन ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स (व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 93.07 मीटर), जर्मनी के 2016 ओलंपिक स्वर्ण विजेता थॉमस रोहलर (93.90 मीटर), केन्या के 2015 के विश्व चैम्पियन जूलियस येगो (92.72 मीटर), अमेरिका के कर्टिस थॉम्पसन (87.76 मीटर), जापान के एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता जेनकी डीन (84.28 मीटर), श्रीलंका के रुमेश पथिरेज (85.45 मीटर) और ब्राजील के लुईज मौरिसियो दा सिल्वा (86.34 मीटर) शामिल हैं. विश्व एथलेटिक्स से श्रेणी ए का दर्जा प्राप्त इस प्रतियोगिता का आयोजन पहले पंचकूला में होना था, लेकिन सीधे प्रसारण के लिए पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था नहीं होने के कारण इसकी मेजबानी बेंगलुरु को सौंपी गई.

आयोजकों के अनुसार इस प्रतियोगिता के लिए टिकट की कीमत 199 रुपये से लेकर 9,999 रुपये तक होगी. इसके अलावा 15 व्यक्तियों के लिए पांच कॉर्पोरेट बॉक्स 44,999 रुपये में उपलब्ध हैं. थ्रोअर रनवे के पास एक विशेष स्टैंड की कीमत 9,999 रुपये है, जबकि रनवे के ठीक पीछे स्थित नॉर्थ अपर स्टैंड में एक और विशेष स्टैंड 2,999 रुपये में उपलब्ध है.

भारत तभी पाकिस्तान के साथ बातचीत कर सकता है जब वह हर आतंकी ढांचे के खिलाफ ठोस कार्रवाई करे : थरूर

» ब्रासीलिया, भाषा।

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने मंगलवार को कहा कि पाकिस्तान के साथ बातचीत करने में समस्या भाषा नहीं है, बल्कि सभ्यता और शांति के लिए एक साझा दृष्टिकोण खोजने की जरूरत है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अगर पाकिस्तान देश में मौजूद हर आतंकवादी बुनियादी ढांचे के खिलाफ उल्लेखनीय कार्रवाई करता है, तो भारत उसके साथ बातचीत कर सकता है। ब्राजील में एक सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे थरूर ने यह भी कहा कि उनकी टीम ने आतंकवाद के खिलाफ भारत के संदेश को लातिन अमेरिकी देशों तक सफलतापूर्वक पहुंचाया, जिनमें वे देश भी शामिल हैं जिन्हें कुछ गलतफहमियां हो सकती हैं। थरूर ने पीटीआई की वीडियो सेवा से कहा, हम अपने वार्ताकारों से यही कहते हैं कि अगर पाकिस्तान इतना ही निर्दोष है जितना वह दावा करता है, तो वह वांछित आतंकवादियों को पनाह क्यों देता है?... आखिर (आतंकवादी) वे (पाकिस्तान में) सुकून से रहने, प्रशिक्षण शिविर चलाने... और लोगों को कट्टरपंथी बनाने, हथियारों से लैस करने तथा लोगों को अपने हथियारों और कलाश्निकोव (राइफल) का अभ्यास करने के लिए प्रेरित कैसे कर पाते हैं...? उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के साथ बातचीत करने में समस्या भाषा नहीं है, बल्कि सभ्यता और शांति के लिए एक साझा दृष्टिकोण खोजने की जरूरत है।

थरूर ने कहा, आप आतंकवाद के बुनियादी ढांचे पर नकेल कसें जो आपके देश में हर जगह दिखाई देता है। फिर निश्चित रूप से हम बातचीत कर सकते हैं। उन्होंने कहा, हम उनसे हिंदुस्तानी में बात कर सकते हैं। हम उनसे पंजाबी में बात कर सकते हैं। हम उनसे अंग्रेजी में बात कर सकते हैं। पाकिस्तान के साथ साझा आधार तलाशने में कोई समस्या नहीं है। समस्या सभ्यता और शांति के लिए साझा दृष्टिकोण तलाशने की है। हम शांति चाहते हैं, विकास करना चाहते हैं। वे हमें अकेला नहीं छोड़ना चाहते। वे हमें परेशान करना चाहते हैं। वे हमें कमजोर करना चाहते हैं। थरूर ने कहा, वे भारत को हजारों जख्म देकर खत्म करना चाहते हैं। वे इतनी आसानी से खत्म नहीं कर पाएंगे। बेहतर होगा कि वे इस विचार को भूल जाएं। ब्रिक्स, पांच अग्रणी उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं- ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका का समूह है। ब्राजील 11वें ब्रिक्स संसदीय मंच की मेजबानी कर रहा है। इस प्रश्न पर कि क्या भारत को उम्मीद है कि ब्राजील भारतीय नागरिकों के खिलाफ आतंकवाद के इस्तेमाल पर एक बयान जारी कर सकता है, थरूर ने कहा, ईमानदारी से कहूं तो मुझे लगता है कि ब्रिक्स का एक अलग एजेंडा है। मैं यह नहीं कह रहा हूं कि वे एकजुटता व्यक्त नहीं करना चाहते हैं।... मुझे नहीं पता और मुझे यह भी नहीं पता कि यह उस मसौदे में है या नहीं जिस पर वे पहले से काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, जहां तक अन्य मुद्दों का सवाल है, तो आप जानते हैं कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर हमारा ध्यान नहीं है। ईमानदारी से कहूं तो हमारा ध्यान पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय संबंधों और पाकिस्तान में आतंकवाद के बुनियादी ढांचे को नष्ट करने में उसकी पूरी तरह विफलता पर है। इस सवाल पर कि क्या देश आतंकवाद के खिलाफ भारत के रुख को मान्यता दे रहे हैं, थरूर ने कहा कि उनका प्रतिनिधिमंडल अब तक चार देशों गुयाना, पनामा, कोलंबिया और ब्राजील की यात्रा कर चुका है।

प्रतिनिधिमंडल ने अरब लीग के महासचिव से मुलाकात कर आतंकवाद के खिलाफ भारत के रुख को दोहराया

काहिरा। सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को मिस्र में अरब लीग के महासचिव अहमद अबुल गईत से मुलाकात की और आतंकवाद के खिलाफ भारत के दृढ़ रुख को रेखांकित किया। प्रतिनिधिमंडल ने आतंकवाद के खिलाफ दृढ़ रुख को नई दिल्ली और अरब लीग दोनों के लिए प्राथमिकता बताया। राकांपा (एसपी) सांसद सुप्रिया सुले के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने मिस्र की अपनी दो दिवसीय यात्रा के दौरान अरब लीग के महासचिव से मुलाकात की। ये प्रतिनिधिमंडल के चार देशों की यात्रा का अंतिम पड़ाव है। मिस्र में भारतीय दूतावास ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि बैठक के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने अरब लीग के साथ भारत के व्यापक राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक जुड़ाव पर चर्चा की। इसमें कहा गया, आतंकवाद का मुकाबला करना अरब लीग और भारत दोनों के लिए प्राथमिकता है। प्रतिनिधिमंडल ने आतंकवाद से निपटने के लिए भारत के एकीकृत रुख और सामूहिक दृढ़ संकल्प को रेखांकित किया। रविवार को इथियोपिया की अपनी यात्रा समाप्त करने के बाद प्रतिनिधिमंडल काहिरा पहुंचा। सोमवार को प्रतिनिधिमंडल ने मिस्र के सांसदों के साथ सार्थक चर्चा की और आतंकवाद के खिलाफ भारत की दृढ़ और सैद्धांतिक स्थिति से अवगत कराया। इसने मिस्र के विदेश मामलों की परिषद के साथ भी व्यापक चर्चा की।

भारत-लाइबेरिया ने आतंकवाद मुक्त दुनिया बनाने का संकल्प लिया

मोनरोविया। शिवसेना सांसद श्रीकांत एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल की लाइबेरिया यात्रा सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस दौरान, दोनों देशों ने शांतिपूर्ण, सुरक्षित और आतंकवाद-मुक्त दुनिया के निर्माण की दिशा में मिलकर काम करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। शिंदे नीत प्रतिनिधिमंडल शनिवार को लाइबेरिया की तीन दिवसीय यात्रा पर पहुंचा था। यह प्रतिनिधिमंडल उन सात सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडलों में से एक है, जिन्हें भारत ने दुनिया के 33 देशों की राजधानी की यात्रा कर आतंकवाद से पाकिस्तान के संबंधों को उजागर करने का जिम्मा सौंपा है। प्रतिनिधिमंडल चार देशों (संयुक्त अरब अमीरात, कांगो गणराज्य, सिएरा लियोन, लाइबेरिया) की अपनी यात्रा के अंतिम पड़ाव के तहत मोनरोविया में था। मोनरोविया स्थित भारतीय दूतावास ने सोमवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, इस यात्रा ने न केवल भारत और लाइबेरिया के बीच स्थाई दोस्ती पर प्रकाश डाला, बल्कि आतंकवाद के खिलाफ दोनों देशों के साझा, अडिग रुख को भी उजागर किया।

चौदह देशों ने मतदान में भाग नहीं लिया

रूस की गुप्त मतदान की मांग के बाद संरा महासभा ने जर्मनी की पूर्व विदेश मंत्री को अगला अध्यक्ष चुना

» संयुक्त राष्ट्र, भाषा।

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने गुप्त मतदान की रूस की मांग के बीच जर्मनी की पूर्व विदेश मंत्री एनालेना बेयरबॉक को 193 सदस्यीय विश्व निकाय का अगला प्रमुख चुना। बेयरबॉक को 167 वोट मिले जो कि जीत के लिए आवश्यक 88 वोटों से लगभग दोगुने हैं जबकि उच्च पदस्थ जर्मन राजनयिक हेल्गा श्मिड को लिखित रूप में सात वोट मिले वहीं 14 देशों ने मतदान में भाग नहीं लिया। जर्मनी ने महासभा के अध्यक्ष पद के लिए श्मिड को नामित किया था, लेकिन हाल में हुए चुनाव में देश के विदेश मामलों के प्रमुख के पद से बेयरबॉक की हार के बाद उन्हें ही नामित किया। इस निर्णय की जर्मनी में आलोचना भी की गई थी। जब 15 मई को बेयरबॉक अपनी उम्मीदवारी पर चर्चा करने के लिए महासभा के समक्ष उपस्थित हुईं तो संयुक्त राष्ट्र में रूस के उप राजदूत दिमित्री पोलियांस्की ने उन पर हमला बोलते हुए कहा था, सुश्री बेयरबॉक ने बार-बार अपनी अक्षमता, अत्यधिक पूर्वाग्रह और कूटनीति के बुनियादी सिद्धांतों की समझ नहीं होना साबित किया है।

पोलियांस्की ने उन पर रूस विरोधी नीति अपनाने का आरोप लगाया साथ ही इस बात पर संदेह व्यक्त किया कि वह महासभा की अध्यक्ष के रूप में शांति और वार्ता के हित में कार्य करने में सक्षम होंगी। बेयरबॉक ने गुप्त मतदान के रूस के अनुरोध की आलोचना की। उन्होंने कहा, मैं आभारी हूं... अधिकांश सदस्य देशों ने मेरी उम्मीदवारी के पक्ष में मतदान किया है और मैं इस चुनौतीपूर्ण समय में सभी सदस्य देशों के साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हूं। बेयरबॉक सितंबर में 80वें सत्र की शुरुआत में कैमरून के पूर्व प्रधानमंत्री फिलेमोन यांग की जगह लेंगी। वह सितंबर के अंत में दुनियाभर के नेताओं की वार्षिक सभा और संयुक्त राष्ट्र की स्थापना के वर्षगांठ समारोह की अध्यक्षता करेंगी। महासभा में अध्यक्ष पद के लिए प्रति वर्ष चुनाव होते हैं। अध्यक्ष पद के लिए चुने जाने के बाद बेयरबॉक ने अपने भाषण में कहा कि उनके अध्यक्ष पद का विषय बेटर टुगेदर होगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि दुनिया इस चुनौतीपूर्ण समय में अनिश्चितता की राह पर है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने कहा कि बेयरबॉक ऐसे समय में अध्यक्ष का पद संभालेंगी, जब विश्व न केवल संघर्षों, जलवायु आपदा, गरीबी और असमानता का, बल्कि विभाजन और अविश्वास का भी सामना कर रहा है।

राहत वितरण केंद्र की तरफ बढ़ रहे 27 लोगों की इजराइली सेना ने हत्या कर दी: फलस्तीनी अधिकारी

» खान यूनिस (गाजा पट्टी), भाषा।

फलस्तीनी स्वास्थ्य अधिकारियों और प्रत्यक्षदर्शियों का आरोप है कि इजराइली सेना ने मंगलवार को एक राहत वितरण केंद्र की तरफ बढ़ रहे लोगों पर गोलीबारी करके कम से कम 27 लोगों की हत्या कर दी। यह तीन दिन में इस तरह की तीसरी घटना है। लेकिन इजराइली सेना ने कहा कि उसने कुछ संदिग्ध व्यक्तियों के पास गोलीबारी की जो निर्धारित मार्ग से हटकर सेना की ओर बढ़े थे और उन्होंने इस दौरान दी गई चेतावनी की अनदेखी की थी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, गोलीबारी उसी जगह पर हुई जहां एक दिन पहले इजराइली सुरक्षा बलों ने भीड़ पर गोली चलाई थी। ये भीड़ दक्षिणी गाजा में उस सहायता केंद्र की ओर जा रही थी, जिसे इजराइल और अमेरिका समर्थित गाजा ह्यूमैनिटेरियन फाउंडेशन संचालित कर रहा है। इजराइली सेना ने कहा कि उसने सोमवार को कई संदिग्धों की ओर चेतावनी स्वरूप गोलियां चलाईं, जो सैनिकों की ओर बढ़ रहे थे और उनके लिए खतरा पैदा कर रहे थे। घटना स्थल सहायता वितरण केंद्र से करीब एक किलोमीटर दूर है।

सेना ने इस बात से इनकार किया कि वह लोगों को सहायता वितरण स्थल पर पहुंचने से रोक रही है। इजराइल और अमेरिका समर्थित फाउंडेशन के इजराइली सैन्य क्षेत्रों के अंदर राहत वितरण केंद्र स्थापित करने के बाद गोलीबारी की यह घटना हुई है। इजराइल के मुताबिक राहत वितरण केंद्र एक प्रणाली का हिस्सा है जिसे हमास को दरकिनार करने के लिए डिजाइन किया गया है। संयुक्त राष्ट्र ने नई प्रणाली को यह कहते हुए खारिज कर दिया है कि यह गाजा के बढ़ते भूख संकट का समाधान नहीं करती है और इजराइल को राहत-सहायता को हथियार के रूप में इस्तेमाल करने की अनुमति देती है। इजराइली सेना ने कहा कि वह मंगलवार को हताहत हुए लोगों से जुड़ी खबर की पड़ताल कर रही है। इजराइली सेना ने पहले कहा था कि उसने रविवार और सोमवार की सुबह अपने बलों के पास आने वाले संदिग्धों पर चेतावनी के तौर पर गोलियां चलाईं। फलस्तीनी स्वास्थ्य अधिकारियों और प्रत्यक्षदर्शियों ने 34 लोगों के मारे जाने की बात कही थी। गाजा ह्यूमैनिटेरियन फाउंडेशन, जो इन केंद्रों का संचालन करता है, का कहना है कि इन केंद्रों पर या इनके आस-पास कोई हिंसा नहीं हुई है। इसने मंगलवार को कहा कि इजराइली सेना इस बात की जांच कर रही है कि क्या नागरिक निर्दिष्ट सुरक्षित गलियारे से आगे बढ़कर बंद सैन्य क्षेत्र में जाने के बाद घायल हुए हैं।

भारत-यूरोपीय संघ के बीच व्यापार समझौते के जल्द निष्कर्ष पर पहुंचने की उम्मीद: फ्रांसीसी मंत्री

पेरिस, (भाषा)। फ्रांस ने मंगलवार को उम्मीद जताई कि भारत और यूरोपीय संघ के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) आने वाले हफ्तों या महीनों में पूरा हो जाएगा। फ्रांस के विदेश व्यापार मंत्री लॉरेंट सेंट-मार्टिन ने कहा कि दुनिया को यह दिखाना महत्वपूर्ण है कि दोनों पक्ष मुक्त व्यापार में विश्वास करते हैं, न कि व्यापार युद्ध में। उन्होंने यह भी कहा कि रक्षा क्षेत्र भारत-फ्रांस द्विपक्षीय संबंधों में सफलता की कहानियों में से एक है। मंत्री ने कहा, तो आइए, इस रक्षा क्षेत्र को अन्य क्षेत्रों के लिए एक उदाहरण बनाएं। मार्टिन ने वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल से मुलाकात के बाद यहां संवाददाताओं से कहा, मुझे उम्मीद है कि हम आने वाले हफ्तों, महीनों में एक समझौता कर सकते हैं, क्योंकि हमें दुनिया को यह दिखाना है कि हम व्यापार में मुक्त व्यापार में विश्वास करते हैं, न कि व्यापार युद्ध में। यूरोपीय संघ फ्रांस और जर्मनी सहित 27 देशों का समूह है। गोयल यहां आधिकारिक यात्रा पर हैं। उनकी अगुवाई में 50 से अधिक सदस्यों वाला व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल यहां आया हुआ है। उन्होंने कहा कि व्यापार के मोर्चे पर वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच दोनों पक्षों की कंपनियों के प्रमुखों की बैठक महत्वपूर्ण है। गोयल ने कहा, यह बैठक हमारे लिए बहुत मायने रखती है, क्योंकि हम वैश्विक व्यापार के मामले में बहुत ही मुश्किल समय में रह रहे हैं। भारत और फ्रांस दोनों यह मानते हैं कि हमें अपने संबंधों को मजबूत करना है। भारत और फ्रांस दोनों को आर्थिक और सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत बनाना है। मार्टिन ने कहा, भारत हमारी प्राथमिकताओं में से एक है और मुझे पता है कि यूरोपीय आयोग वास्तव में समझौते के लिए बातचीत को तेज करना चाहता है। उन्होंने कहा कि फ्रांस शुल्क और गैर-शुल्क बाधाओं को कम करना चाहता है। मार्टिन ने कहा, दूसरी ओर, हमें अपने कृषि क्षेत्र का भी ध्यान रखना होगा तथा पर्यावरण के संदर्भ में हमारे कुछ मानदंडों का भी ध्यान रखना होगा।

न्यूज ब्रीफ

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर निकट भविष्य में सहमति बनने की उम्मीद : अमेरिकी वाणिज्य मंत्री

» वाशिंगटन, भाषा।

अमेरिका के वाणिज्य मंत्री हावर्ड लुटनिक ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच निकट भविष्य में व्यापार समझौते होने की उम्मीद है क्योंकि दोनों देशों के बीच समझौते के प्रारूप को लेकर सहमति बन गई है। लुटनिक ने सोमवार को यहां अमेरिका-भारत रणनीतिक साझेदारी मंच (यूएसआईएसपीएफ) नेतृत्व शिखर सम्मेलन के आठवें संस्करण में अपने मुख्य भाषण में कहा कि जब दोनों ओर से सही लोग वार्ता के सामने आते है तो लगता है कि यह दोनों के लिए उचित होता है। उन्होंने कहा, आप निकट भविष्य में अमेरिका और भारत के बीच एक समझौते की उम्मीद कर सकते हैं। देशों के बीच समझौते के ऐसे प्रारूप को लेकर सहमति बन गई है जो दोनों के लिए हितकारी है। लुटनिक ने भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते पर कहा कि वह इसे लेकर बेहद आशावादी हैं।

उन्होंने साथ ही कहा कि भारत के लोगों में जोश व महत्वाकांक्षा है और इसीलिए इसकी अर्थव्यवस्था हमेशा फूलती-फलती रहेगी। अमेरिका के वाणिज्य मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि (अमेरिका के) राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत के बड़े प्रशंसक हैं और उसका बहुत सम्मान करते हैं। दोनों देशों के एक दूसरे के साथ बेहतरीन संबंध बनने जा रहे हैं। अमेरिका में जारी वीजा और आव्रजन चर्चाओं की पृष्ठभूमि में भारतीय प्रतिभाओं पर एक सवाल के जवाब में लुटनिक ने कहा कि अमेरिका में भारतीय उद्यमियों की सफलता, भारतीय राष्ट्रीयता के व्यक्ति अमेरिका की कई बड़ी गाथाओं का नेतृत्व और संचालन इसलिए कर रहे हैं, क्योंकि वे शानदार उद्यमी हैं, शानदार व्यवसाई हैं, बुद्धिमान हैं, विचारशील हैं, हर तरह का ज्ञान रखते हैं। उन्होंने कहा, लेकिन मुझे लगता है कि अमेरिका के लिए आव्रजन का सामान्य मार्ग बदल रहा है। ट्रंप कार्ड सामने आ रहा है।

भारत-अमेरिका संबंध मेरे लिए बहुत व्यक्तिगत हैं: उषा वेंस

» वाशिंगटन, भाषा।

अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की पत्नी उषा वेंस ने भारत-अमेरिका संबंध को अपने लिए बेहद व्यक्तिगत बताया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय संबंधों के लिए यह बहुत अच्छा अवसर है जो कई बार उतार-चढ़ाव से गुजरे हैं। वेंस ने यहां अमेरिका-भारत रणनीतिक भागीदारी मंच (यूएसआईएसपीएफ) नेतृत्व शिखर सम्मेलन के आठवें संस्करण में कहा, यह एक बहुत ही व्यक्तिगत संबंध है, क्योंकि मेरे परिवार के सदस्य भारत में रहते हैं और परिवार के कई सदस्य यहां अमेरिका में भी रहते हैं। मैं बचपन से भारत आती जाती रही हूं तथा वहां अपने परिवार के सदस्यों से मिलती रही हूं और वे मेरे पास आते रहे हैं। उन्होंने कहा, यह हमेशा से एक ऐसा संबंध रहा है जिसे मैंने व्यक्तिगत रूप से बहुत महत्वपूर्ण माना है। कार्यक्रम में भारत और अमेरिका के प्रमुख सरकारी, व्यापारिक और समुदाय से जुड़े नेता उपस्थित थे। यूएसआईएसपीएफ के अध्यक्ष और जेसी2 वेंचर्स के संस्थापक एवं सीईओ (मुख्य कार्यकारी अधिकारी) जॉन चैंबर्स द्वारा आयोजित अनौपचारिक बातचीत के दौरान दोनों देशों के बीच संबंधों के बारे में दृष्टिकोण को लेकर पूछे गए एक सवाल के जवाब में वेंस ने कहा, मैं इसके बारे में व्यापक रूप से सोचती हूं।

मुझे लगता है कि यह बहुत अच्छे अवसरों का समय है। मुझे लगता है कि अगर मेरे पति यहां होते, तो वह भी यही बात कहते। उन्होंने कहा, जाहिर है अमेरिका और भारत के संबंधों में कई बार उतार-चढ़ाव आए हैं... कई बार ऐसा होता है कि किसी देश की जरूरतें और उसके लक्ष्य दूसरे से भिन्न होते हैं। उन्होंने कहा, लेकिन वर्तमान में मुझे लगता है कि अगले चार वर्षों में और भविष्य में कई बड़े अवसर प्राप्त होने वाले हैं। यहां भारतीय-अमेरिकी समुदाय की एक स्थापित आबादी है और भारत में इतने सारे लोग हैं जो देश को जानते हैं और यहां के लोगों को जानते हैं जो बेहतरीन काम कर रहे हैं, बड़े अवसर प्राप्त कर रहे हैं। वेंस ने कहा, मुझे याद है कि जब मैं, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और हमारे तीन बच्चे अप्रैल में भारत यात्रा पर गए थे, तब मैं यह देखकर हैरान रह गई थी जब कई लोगों ने मुझे बताया कि उन्हें हमारा देश कितना पसंद है, वे किस तरह अपने परिवार से मिलने आते हैं, वे किस तरह सिर्फ मौज-मस्ती के लिए आते हैं, वे भविष्य में हमारे साथ एक करीबी रिश्ता बनाने की उम्मीद कर रहे हैं और मुझे लगता है कि इन व्यक्तिगत संबंधों का वास्तव में इससे कुछ लेना-देना है। नेतृत्व शिखर सम्मेलन में यूएसआईएसपीएफ ने आईबीएम के अध्यक्ष अरविंद कृष्णा, आदित्य बिड़ला समूह के अध्यक्ष कुमार मंगलम बिड़ला और हिताची के कार्यकारी अध्यक्ष तोशियाकी हिगाशिहारा को अमेरिका-भारत-जापान आर्थिक साझेदारी को मजबूत करने में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए 2025 वैश्विक नेतृत्व पुरस्कार भी प्रदान किए। यह पहली बार है जब ऑस्ट्रेलिया, भारत, जापान और अमेरिका के चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद क्वाड समूह के व्यापारिक जगत से जुड़े अग्रिम व्यक्तियों को यूएसआईएसपीएफ शिखर सम्मेलन में सम्मानित किया गया।

बच्चे तो तुरंत प्रधानमंत्री मोदी को अपना बाबा मानने लगे: उषा वेंस

वाशिंगटन। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की पत्नी उषा वेंस ने अप्रैल की अपनी भारत यात्रा को बेहद यादगार बताया और इसे जीवन में एक बार मिलने वाला अनुभव करार दिया। साथ ही उन्होंने कहा कि उनके तीनों बच्चे तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अपना बाबा मानने लगे। उपराष्ट्रपति जे डी वेंस ने अप्रैल में भारत की अपनी पहली आधिकारिक यात्रा की थी और उनके साथ पत्नी उषा वेंस और उनके तीन छोटे बच्चे इवान, विवेक और मीराबेल भी थे। उषा वेंस ने सोमवार को यहां अमेरिका-भारत सामरिक भागीदारी मंच (यूएसआईएसपीएफ) नेतृत्व शिखर सम्मेलन के आठवें सत्र में बातचीत के दौरान भारत यात्रा को याद करते हुए कहा यह वास्तव में हमारे लिए यादगार यात्रा रही। वेंस दंपति 21 से 24 अप्रैल तक भारत में था और जयपुर तथा आगरा की यात्रा से पहले उन्होंने दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की थी। उषा वेंस ने इस बात पर जोर दिया कि प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात वाकई बहुत खास रही। उषा वेंस ने कहा, हमें उनसे पहले भी मिलने का मौका मिला था। उन्होंने कहा कि पेरिस में यात्रा के दौरान बच्चों की नींद पूरी नहीं हुई थी। वे उनींदे से थे और जब उन्होंने प्रधानमंत्री को देखा तो उनके सफेद बाल और सफेद दाढ़ी देखकर उन्हें तुरंत मान लिया कि ये उनके बाबा (दादा जी) हैं। और इस तरह वे उनसे तुरंत घुलमिल गए। उषा वेंस ने कहा, वे (बच्चे) उनसे (मोदी से) बहुत प्यार करते हैं और उन्होंने (मोदी ने) उस दिन हमारे पांच साल के बेटे को जन्मदिन का तोहफा दिया। उसके बाद तो उन्होंने बच्चों के दिल में खास जगह बना ली। वेंस और प्रधानमंत्री मोदी के बीच फरवरी में एआई एक्शन समिट के दौरान फ्रांस में मुलाकात हुई थी। उन्होंने अपनी याद साझा करते हुए कहा कि जब वेंस परिवार दिल्ली में प्रधानमंत्री मोदी के आवास पर गया था तो बच्चे दौड़ते हुए उनके पास गए और उनके गले लग गए।

गाजा में तीन सैनिक मारे गए : इजराइल

» खान यूनिस (गाजा पट्टी), भाषा।

इजराइली सेना ने मंगलवार को कहा कि गाजा पट्टी में उसके तीन सैनिक मारे गए हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि मार्च में हमास के साथ युद्ध विराम समाप्त होने के बाद से इजराइली सेना पर यह सबसे घातक हमला है सेना ने बताया कि तीनों सैनिक सोमवार को उत्तरी गाजा में लड़ाई के दौरान मारे गए। हालांकि उसने विस्तृत जानकारी नहीं दी। इजराइली मीडिया ने बताया कि वे जबालिया क्षेत्र में हुए विस्फोट में मारे गए। हमास ने मार्च में और अधिक बंधकों को जल्दी रिहा करने के लिए समझौते में बदलाव करने से इनकार कर दिया था जिसके बाद इजराइल ने युद्धविराम समाप्त कर दिया था। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, तब से इजराइली हमलों में हजारों फलस्तीनी मारे गए हैं।

गाजा में इजराइल का युद्ध तब शुरू हुआ जब सात अक्टूबर, 2023 को हमास के नेतृत्व वाले चरमपंथियों ने दक्षिणी इजराइल में धावा बोल दिया, जिसमें लगभग।,200 लोग मारे गए और लगभग 250 अन्य का अपहरण कर लिया गया। उसके कब्जे में अब भी 58 बंधक हैं, जिनमें से लगभग एक तिहाई के जीवित होने का अनुमान है। बाकी लोगों को युद्धविराम समझौतों या अन्य समझौतों के तहत रिहा कर दिया गया है।

रूस और यूक्रेन के प्रतिनिधियों ने प्रत्यक्ष शांति वार्ता के दूसरे दौर के लिए मुलाकात की

यूक्रेन और रूस मृत और घायल सैनिकों की अदला-बदली पर सहमत

» इस्तांबुल, भाषा।

रूस और यूक्रेन के प्रतिनिधियों ने सोमवार को करीब दो सप्ताह बाद प्रत्यक्ष शांति वार्ता के दूसरे दौर के लिए मुलाकात की और अपने-अपने हजारों मृत सैनिकों के शव और गंभीर रूप से घायल सैनिकों की अदला-बदली करने पर सहमति जताई, मगर इसके अलावा वार्ता में तीन साल से जारी युद्ध को समाप्त करने की दिशा में कोई प्रगति नहीं हुई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यह वार्ता दोनों पक्षों द्वारा किए गए कई लंबी दूरी के हमलों के एक दिन बाद हुई है, जिसमें यूक्रेन ने रूसी हवाई ठिकानों पर ड्रोन हमला किया था और रूस ने यूक्रेन के खिलाफ युद्ध का सबसे बड़ा ड्रोन हमला किया।

यूक्रेनी प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि वार्ता की मेज पर रूस ने जंग खत्म करने के लिए क्रेमलिन (रूसी राष्ट्रपति भवन) की शर्तों को बताते हुए एक ज्ञापन प्रस्तुत किया। यूक्रेनी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने वाले रक्षा मंत्री रुस्तम उमरोव ने संवाददाताओं से कहा कि कीव के अधिकारियों को दस्तावेज की समीक्षा करने और निर्णय लेने के लिए एक हफ्ते का वक्त चाहिए। उन्होंने कहा कि यूक्रेन ने 20 जून से 30 जून के बीच आगे की बातचीत का प्रस्ताव रखा है। वार्ता के बाद, रूस की सरकारी समाचार एजेंसियों तास और आरआईए नोवोस्ती ने रूसी ज्ञापन की सामग्री प्रकाशित की, जिसमें कहा गया है कि संघर्ष विराम की शर्त के तौर यूक्रेन उन चार क्षेत्रों से अपनी सेना हटाए, जिन पर रूस ने सितंबर 2022 में कब्जा कर लिया था, लेकिन उन पर पूरी तरह से नियंत्रण नहीं कर सका। युद्धविराम समझौते के वैकल्पिक तरीके के रूप में, ज्ञापन में यूक्रेन से कहा गया है कि वह सैनिकों की लामबंदी प्रयासों को रोक दे तथा पश्चिमी देशों से हथियार लेना बंद कर दे। ऐसी शर्तें पहले ही रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा बताई जा चुकी हैं। दस्तावेज में यह भी सुझाव दिया गया है कि युद्ध समाप्त करने के लिए यूक्रेन को अपनी सेनाओं की पुनः तैनाती रोकनी होगी तथा अपनी धरती पर किसी तीसरे देश की सैन्य उपस्थिति पर प्रतिबंध लगाना होगा। रूसी दस्तावेज में प्रस्ताव दिया गया है कि यूक्रेन मार्शल लॉ समाप्त करे और चुनाव कराए, जिसके बाद दोनों देश एक व्यापक शांति संधि पर हस्ताक्षर कर सकते हैं और इसके तहत यूक्रेन अपनी तटस्थ स्थिति की घोषणा करेगा, नाटो में शामिल होने के अपने प्रयास को त्याग देगा, अपने सशस्त्र बलों के आकार को लेकर सीमा निर्धारित करेगा और यूक्रेनी भाषा के समान रूसी भाषा को देश की आधिकारिक भाषा के रूप में मान्यता देगा। यूक्रेन और पश्चिमी देशों ने पहले भी मॉस्को की सभी मांगों को अस्वीकार कर दिया था। वहीं प्रतिनिमंडल रूस और यूक्रेन युद्ध में मारे गए 6,000 सैनिकों के शवों की अदला-बदली करने पर भी सहमत हुए हैं। साथ में गंभीर रूप से जख्मी हुए सैनिकों की अदला बदली के लिए एक आयोग के गठन पर राज़ी हुए। दोनों पक्षों को युद्ध विराम स्वीकार करने के लिए मजबूर करने के वास्ते अमेरिका के नेतृत्व वाले प्रयास अब तक विफल रहे हैं।

तुर्किए के तट पर 5.8 तीव्रता का भूकंप, कई लोग घायल, एक लड़की की मौत

» अंकारा (तुर्किए), भाषा।

तुर्किए में भूमध्यसागर से सटे एक तटीय शहर में सोमवार देर रात को 5.8 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप के कारण लोग घबराकर अपने-अपने घरों से बाहर निकलने के लिए खिड़कियों और बालकनी से कूदने लगे, जिससे कई लोग घायल हो गए और एक लड़की की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। हालांकि, भूकंप में किसी बड़ी क्षति की कोई सूचना नहीं है। तुर्किए की आपदा एवं आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी डिजास्टर एंड एमरजेंसी मैनेजमेंट प्रेसीडेंसी ने कहा कि भूकंप देर रात दो बजकर 17 मिनट पर आया और इसका केंद्र तटीय शहर मारमारिस से सटे भूमध्य सागर में था। भूकंप के झटके रोड्स के ग्रीक द्वीप सहित आसपास के क्षेत्रों में भी महसूस किए गए। तुर्किए के गृह मंत्री अली एरलिकाया ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि 14 साल की लड़की को अस्पताल ले जाया गया जहां उसने दम तोड़ दिया। मंत्री ने बताया कि लड़की को घबराहट और बेचैनी का दौरा पड़ा था।

अभी यह स्पष्ट नहीं है कि लड़की को क्या कोई अन्य बीमारी भी थी या नहीं। उन्होंने बताया कि घबराहट में खिड़कियों से या बालकनी से कूदने के कारण करीब 70 लोग घायल हो गए, जिनका इलाज हो रहा है। भूकंप के कारण इमारतों के क्षतिग्रस्त होने की कोई सूचना नहीं है। तुर्किए भूकंप संभावित क्षेत्र में आता है और यहां अक्सर भूकंप आते रहते हैं। तुर्किए में 2023 में 7.8 तीव्रता का भूकंप आया था जिसके कारण 53,000 से अधिक लोगों की जान चली गई थी और देश के दक्षिण एवं दक्षिण पूर्व के 11 प्रांतों में सैकड़ों इमारतें नष्ट या क्षतिग्रस्त हो गई थीं। भूकंप के कारण पड़ोसी सीरिया के उत्तरी हिस्सों में करीब 6,000 लोग मारे गए थे।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,